RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से सरोकार

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-318 | जयपुर, शुक्रवार, 15 मई 2026 | मूल्य-4 रूपये

बंगाल में गायें काटने पर रोक, सार्वजनिक बूचड़खाने भी बंद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की बीजेपी सरकार ने राज्य में गाएं काटने पर रोक लगा दी है। सीएम सुवेंदु ने 1950 के बंगाल कानून और 2018 के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए एक नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में यह कहा गया है कि बिना 'फिटनेस सर्टिफिकेट' के किसी भी मवेशी-भैंस की हत्या पूरी तरह से प्रतिबंध है। बंगाल सरकार ने कहा कि फिटनेस सर्टिफिकेट केवल किसी नगरपालिका के अध्यक्ष, किसी पंचायत समिति के प्रमुख और एक सरकारी पशु चिकित्सक के साथ मिलकर जारी किया जाएगा।

लालकिला ब्लास्टः एनआईए ने दाखिल की चार्जशीट, 10 लोगों को बनाया आरोपित

नई दिल्ली। एनआईए ने दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में गुरुवार को लालकिला ब्लास्ट मामले में चार्जशीट दाखिल की है। एनआईए ने मामले में 10 लोगों को आरोपित बनाया है। एनआईए के मुताबिक ब्लास्ट में 11 लोगों की मौत हुई थी। 7500 पेजों की चार्जशीट में एनआईए ने बम ब्लास्ट करने वाले उमर उन नबी (मृतक) को भी आरोपित बनाया है। एनआईए ने चार्जशीट दाखिल करते समय कहा वो इसके आगे पूरक चार्जशीट दाखिल कर सकती है।

वीडी सतीसन होंगे केरल के नए सीएम

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुरुवार को वीडी सतीशन को केरल का नया मुख्यमंत्री बनाए जाने की घोषणा की। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में केरल के नये मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा की गई। इससे पहले 7 मई को तिरुवनंतपुरम में कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई थी, जिसमें सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर केरल के लिए नए नेता के चयन का अधिकार कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपा गया था।

चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा

देश के 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू होगा एसआईआर

अब सिर्फ हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख का शेड्यूल आना बाकी

करीब 4 लाख बीएलओ, 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट तैनात होंगे

नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के तीसरे चरण की घोषणा की है। इसके तहत देश के 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाएगा। चुनाव आयोग के अनुसार, जनगणना के तहत चल रही गृह-सूचीकरण प्रक्रिया के साथ साझा जमीनी तंत्र को ध्यान में रखते हुए एसआईआर के तीसरे चरण का कार्यक्रम तय कर लिया गया है। आयोग के अनुसार, एसआईआर के तीसरे चरण के दौरान 3.94 लाख से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारी 36.73 करोड़ मतदाताओं के घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे।

चुनाव आयोग ने बताया कि तीसरे फेज की एसआईआर प्रक्रिया में 3.94 लाख बूथ लेवल अधिकारी (BLO) तैनात होंगे। BLO की मदद के लिए राजनीतिक पार्टियों की तरफ नियुक्त 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट (BLA) भी शामिल रहेंगे। दिल्ली में एसआईआर के बाद फाइनल वोटर लिस्ट 7 अक्टूबर को जारी की जाएगी।

आयोग ने बताया कि एसआईआर का तीसरा चरण पूरा होने के बाद हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर पूरा देश इसमें कवर हो जाएगा। आयोग के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मतदाता सूची के कार्यक्रम की घोषणा बाद में की जाएगी, जिसमें बर्फ से ढके क्षेत्रों में मौसम की स्थिति को ध्यान में रखा जाएगा। चुनाव आयोग ने कहा कि, मतदाता सूची के तीसरे चरण में दिल्ली को शामिल किया जाएगा, जहां 7 अक्तूबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

एसआईआर के तीसरे फेज के बाद हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर पूरे देश में एसआईआर प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। तीनों बचे हुए राज्यों में खराब मौसम और जनगणना के कारण एसआईआर के शेड्यूल की घोषणा बाद में की जाएगी। तीसरे फेज में एसआईआर वाले राज्यों में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा वोटर हैं। दादरा और नगर हवेली एवं दमन-दीव में वोटरों की संख्या सबसे कम है।

दूसरे चरण में 12 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में हुआ एसआईआर

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-एसआईआर का दूसरा चरण नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में 4 नवंबर 2205 से किया गया था। इस चरण में छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पुदुचेरी, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एसआईआर किया गया। इनमें से चुनावी राज्य तमिलनाडु, पुदुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल थे। जबकि एसआईआर के पहले चरण में सिर्फ बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सवाल

जब सरकार को ही फैसला लेना है, फिर कमेटी में नेता विपक्ष को रखने का दिखावा क्यों

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार से सवाल किया। कोर्ट ने कहा- अगर सरकार को ही फैसला करना है तो सिलेक्शन कमेटी में नेता विपक्ष को रखकर स्वतंत्रता का दिखावा करने की जरूरत क्या है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा कि CBI डायरेक्टर की सिलेक्शन कमेटी में भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल होते हैं, लेकिन चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति वाली समिति में कोई स्वतंत्र सदस्य नहीं रखा गया है। कोर्ट 'मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023' को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

इस कानून के मुताबिक, CEC और EC की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय मंत्री वाली समिति करेगी। पहले सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम व्यवस्था में इसमें भारत के CJI को भी शामिल किया था।

याचिकाओं में कहा गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा 2023 का कानून चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को कमजोर करता है। इसमें चयन समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया गया है। दरअसल, 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने 'अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ' मामले में कहा था कि जब तक संसद नया कानून नहीं बनाती, तब तक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और CJI की समिति करेगी।

बाद में केंद्र सरकार नया कानून लेकर आई, जिसमें CJI को समिति से बाहर कर दिया गया। इसी कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है।

सबरीमला में महिलाओं की एंट्री मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सबरीमला मंदिर समेत विभिन्न धार्मिक स्थलों पर महिलाओं की एंट्री और उनकी धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े मामलों की सुनवाई गुरुवार को पूरी कर ली है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता में 9 जजों वाली बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने 16 दिन तक केंद्र, धार्मिक संगठनों और याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनीं। कोर्ट धार्मिक स्वतंत्रता, अनुच्छेद 25 और 26 के दायरे, संवैधानिक नैतिकता और धार्मिक प्रथाओं में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमा जैसे कई अहम संवैधानिक सवालों पर फैसला देगी। इनमें सबसे अहम मासिक धर्म के उम्र वाली 10 से 50 साल की महिलाओं की सबरीमाला मंदिर में एंट्री का विवाद है।

सितंबर 2018 में सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों वाली बेंच ने महिलाओं के सबरीमला मंदिर में एंट्री पर लगे प्रतिबंध को असंवैधानिक बताते हुए हटा दिया था।

ईडी ने कोलकाता पुलिस के डीसीपी को गिरफ्तार किया

जांच में पेश न होने का आरोप, टीएमसी दफ्तर पर चला बुलडोजर

कोलकाता

ईडी ने कोलकाता पुलिस के डीसीपी शांतनु सिन्हा घोष को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें कई बार समन जारी किए गए, लेकिन वह पेश नहीं हो रहे थे, जिसके बाद उनके खिलाफ लुक-आउट नोटिस भी जारी किया गया।

उनकी गिरफ्तारी सोना पप्पू केस में जांच के दौरान हुई। ये मामला कोलकाता में जमीन हड़पने, जबरन वसूली और रियल एस्टेट से जुड़े बड़े वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों से जुड़ा है।

वहीं, नगर निगम ने गुरुवार को बुलडोजर से तृणमूल कांग्रेस का एक दफ्तर और एक क्लॉक टावर गिरा दिया। स्थानीय लोगों ने काफी समय पहले इसके अवैध होने की शिकायत की थी। साल 2025 में ही कोर्ट ने इसे गिराने का आदेश दे दिया था, लेकिन तब अधिकारियों ने कोई कदम नहीं उठाया। इस टावर का उद्घाटन पूर्व मंत्री अरूप विश्वास ने किया था, जो हाल ही में विधानसभा चुनाव हार गए हैं।

द हिंदू के मुताबिक, TMC का ऑफिस और टावर खेल के मैदान पर कब्जा करके बनाया गया था। इससे पहले 5 मई को चुनावी नतीजों के अगले दिन ही कोलकाता के न्यू मार्केट इलाके में भी एक TMC का दफ्तर गिराया गया था।

जांच एजेंसी के अनुसार, डिप्टी पुलिस कमिश्नर शांतनु सिन्हा बिस्वास के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद वह श्रेष्ठ के समक्ष पूछताछ के लिए पेश हुए। हालांकि, जांच के दौरान उन पर सहयोग न करने और महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाने का आरोप लगाया गया। ईडी अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान कई सवालों के स्पष्ट जवाब नहीं दिए गए, जिससे जांच प्रक्रिया प्रभावित हुई।

देवास में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, तीन की मौत

फैक्टरी को किया सील मालिक हिरासत में

देवास

मध्यप्रदेश के देवास से 20 किमी दूर आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम टोंककला के समीप स्थित एक पटाखा फैक्टरी में गुरुवार को जोरदार विस्फोट होने के बाद भीषण आग लग गई। इस हादसे में 3 श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। घटना के बाद प्रशासन ने फैक्टरी को सील कर दिया है, जबकि पुलिस ने फैक्टरी मालिक अनिल मालवीय को हिरासत में ले लिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताया और घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ग्राम टोंककला स्थित पटाखा फैक्टरी में गुरुवार सुबह करीब 10.30 बजे दो केमिकल मिलाकर बारूद बनाया जा रहा था। इसी दौरान केमिकल की मात्रा सही नहीं मिलने से विस्फोट हो गया। इसके बाद फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग तेजी से फैलने लगी, जिससे अंदर मौजूद मजदूरों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और राहत-बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंच गए व घायलों को तत्काल एंबुलेंस व अन्य वाहनों से जिला अस्पताल पहुंचाया।

जिला प्रशासन ने हादसे में तीन श्रमिकों की मौत की पुष्टि की। मृतकों के नाम धीरज, सनी व सुमित बताए हैं। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया है। घायलों में पांच की स्थिति नाजुक है। हादसे के बाद फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य व केमिकल के सैंपल एकत्र किए, जिनकी जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख प्रकट किया। घटना की जांच के आदेश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने व घायलों का निःशुल्क इलाज करने के लिये निर्देश दिये हैं।

शराब घोटाले से हटी दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता

अरविंद केजरीवाल और आप नेताओं के खिलाफ अवमानना कार्यवाही करेगी जस्टिस स्वर्णकांता

नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने गुरुवार को शराब नीति घोटाला मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी के अन्य नेताओं के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया है।

स्वर्णकांता शर्मा ने कहा- जो जज अवमानना की कार्यवाही शुरू करते हैं वो मुख्य केस नहीं सुन सकते। मैं शराब नीति केस को चीफ जस्टिस के सामने लिस्ट करूंगी ताकि केस की सुनवाई कोई दूसरा जज कर सके।

स्वर्णकांता शर्मा केजरीवाल के अलावा मनीष सिसोदिया, दुर्गेश पाठक, सौरभ भारद्वाज, संजय सिंह और विनय मिश्रा पर कंटेम्प्ट की कार्यवाही शुरू करेंगी।

अरविंद केजरीवाल ने शराब घोटाला केस से जस्टिस शर्मा को हटाने की मांग की थी। उनका आरोप था कि जस्टिस शर्मा ऋस्स के कार्यक्रम में 4 बार शामिल हो चुकी हैं। उनसे न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है।

अगर किसी पक्ष को अदालत के आदेश पर आपत्ति थी, तो उसे सुप्रीम कोर्ट जाना चाहिए था। इसके बजाय सोशल मीडिया के जरिए न्यायपालिका को निशाना बनाया गया और अदालत की निष्पक्षता पर सवाल उठाए गए।

चंबल में 'अवैध खनन' पर राजस्थान सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

अधिकारी 19 मई को कोर्ट में तलब

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने चंबल अभयारण्य में अवैध खनन जारी रहने पर राजस्थान सरकार को फटकार लगाई। जस्टिस विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली बेंच ने राज्य के कई अफसरों को 19 मई को कोर्ट में तलब किया है।

कोर्ट ने राजस्थान सरकार के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह), खनन, वित्त, वन, पर्यावरण, परिवहन और सड़क सुरक्षा विभागों के मुख्य सचिवों को व्यक्तिगत रुप से कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने इन सभी अधिकारियों को निर्देश दिया वो निजी तौर पर हलफनामा दाखिल कर बताएं कोर्ट के पहले के आदेश के पालन के लिए उन्होंने क्या किया।

सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर चिंता जताई कि खनन क्षेत्र में ट्रैक्टर्स और वाहनों की निर्बाध आवाजाही की पहचान नहीं की जा रही है। कोर्ट ने अवैध खनन रोकने के लिए उठाये कदमों की जानकारी मांगी है।

5वीं के छात्र की हत्या, शव जंगल में फेंका

धारदार हथियार से गला रेता, 3 जगह से बंधे थे पैर

सोजत

पाली जिले में 12 साल के बच्चे का शव मिला। मासूम की गर्दन को धारदार हथियार से रेता गया था। वहीं उसकी बॉडी पर कई जगह चोट के निशान थे। बच्चे के पैर और हाथ बंधे हुए थे। बच्चे की तलाश करते हुए परिजन पहुंचे तो तालाब के किनारे बच्चे की डेडबॉडी पड़ी थी। परिजनों का कहना है कि बच्चे की हत्या की गई है। मर्डर की सूचना पर सोजत पुलिस उप अधीक्षक रतनाराम देवासी और शिवपुरा थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। आसपास के लोगों से पूछताछ की। घटना सोजत के शिवपुरा थाना क्षेत्र के रामासनी सांदवान गांव की गुरुवार देर शाम की है। बच्चे की पहचान आरिफ (12) पुत्र फिरोज खान के रूप में हुई।

सोजत डीएसपी रतनाराम देवासी ने बताया- रामासनी सांदवान गांव निवासी फिरोज खान मटके बनाने का करते हैं। उनका बेटा आरिफ गांव के स्कूल में पांचवीं कक्षा में पढ़ता था। गुरुवार को रोजाना की तरह स्कूल गया था। शाम तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने बच्चे की तलाश शुरू की। बच्चे के पिता फिरोज खान ने बताया- जब आरिफ गांव और स्कूल के आसपास नहीं मिला तो उसकी तालाश जंगल के में की गई। शाम करीब 7 बजे जंगल में तालाब के पास आरिफ का शव लहूलुहान हालत में मिला।

पाकिस्तान ने आंख उठाई तो वह होगा जो अब तक नहीं हुआः रक्षा मंत्री

रक्षामंत्री राजनाथ बोले- राव दूदाजी का जीवन शौर्य और पराक्रम का जीता-जागता उदाहरण

नागौर।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में देश की सुरक्षा नीति में व्यापक व ऐतिहासिक बदलाव हुए हैं। भारत ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि हमारी आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है। अगर पाकिस्तान ने नजर उठाने की कोशिश की, तो जो अब तक नहीं हुआ वह होकर रहेगा।

रक्षामंत्री गुरुवार को नागौर जिले के मेड़ता में श्री राव दूदाजी के मूर्ति अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान की भूमि सदैव त्याग और राष्ट्र भक्ति की प्रेरणा देती रही है। यहां पर घर-घर से फौजी देश की रक्षा के लिए सेना में जाते हैं। उन्होंने कहा राव दूदा जैसे वीर शिरोमणि का जीवन नई पीढ़ी के लिए आदर्श है। उनका पूरा जीवन शौर्य और पराक्रम का जीता-जागता उदाहरण है। उन्होंने कहा कि धर्म और न्याय की रक्षा के लिए वे सदैव तत्पर रहते थे और उनके पराक्रम की गूंज राष्ट्र भक्ति का जोश भर देती है। राव दूदा का अर्थ है संकल्प, समर्पण, शक्ति और शौर्य। अश्व पर सवार दूदा जी की प्रतिमा हमें एक राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ने का संदेश देती है।

उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए साल 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 में बालाकोट स्ट्राइक तथा हाल में ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से अद्भुत सैन्य क्षमता का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में इंसाफ और इंसानियत पर विश्वास किया जाता है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरा देश आक्रोशित था, हमने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुश्मन के होश उड़ा दिए। भारत किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन अगर कोई छेड़े तो उसे छोड़ता नहीं है। भारत चुप बैठने वाला देश नहीं है। अगर हमारे नागरिकों पर हमला किया गया, तो घर में घुसकर मारेंगे। कोई सरहद हमें रोक नहीं सकती।

रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री 'विकास भी और विरासत भी' की अवधारणा को लेकर काम कर रहे हैं। देश के जननायकों और महापुरुषों की शिक्षाओं व आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। महिलाओं का सम्मान केवल नारा नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की आत्मा है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इसी भावना के अनुरूप महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। 'बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ' से लेकर महिला सुरक्षा को लेकर सख्त कानून बनाए गए हैं। नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम के जरिए से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण विधानसभा व संसद में देने का प्रावधान किया, लेकिन विपक्ष ने इसे पारित नहीं होने दिया।

केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा ऑपरेशन सिंदूर के समय भारतीय सेना ने अद्भुत क्षमता का परिचय देते हुए आतंक के ठिकानों को नेस्तेनाबूद कर हर नागरिक का मस्तक गर्व से ऊंचा करने का काम किया। लोकनायकों की प्रतिमाओं का लोकार्पण इतिहास से संवाद करने का अवसर, चेतना को पुर्नजीवित करने का संकल्प तथा महान विभूतियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का माध्यम है।

ट्रम्प ने बीजिंग में शी जिनपिंग से मुलाकात की

पार्टनर बनें, प्रतिद्वंद्वी नहीं, ट्रेड वॉर में कोई नहीं जीतता

ट्रम्प बोले- आपसे दोस्ती सम्मान की बात

बीजिंग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में जिनपिंग ने ट्रम्प का स्वागत किया। इस दौरान ट्रम्प को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया।

दोनों नेताओं के बीच 2 घंटे बैठक चली। बैठक की शुरुआत में जिनपिंग ने कहा कि पूरी दुनिया इस बैठक पर नजर लगाए हुए है। उन्होंने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और अमेरिका-चीन रिश्ते वैश्विक स्थिरता के लिए बेहद अहम हैं। जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि पार्टनर बनना चाहिए।

उन्होंने कहा, बार-बार साबित हुआ है कि ट्रेड वॉर में कोई विजेता नहीं होता। चीन-अमेरिका आर्थिक संबंधों का आधार आपसी लाभ और विन-विन सहयोग है।

श्रीनगर में लश्कर के दो मददगार गिरफ्तार, हथियार और धमकी भरे पोस्टर बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो-टॉलरेंस नीति के तहत श्रीनगर के बाबा डेम इलाके में लश्कर-ए-तैयबा के दो सक्रिय मददगारों को गिरफ्तार किया है। रूटीन नाका चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार इन संदिग्धों को रोककर जब तलाशी ली गई, तो उनके पास से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक पिस्तौल, तीन मैगजीन, 21 कारतूस, दो मोबाइल फोन और लश्कर-ए-तैयबा के 10 धमकी भरे पोस्टर जब्त किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान फैसल अहमद भट (निवासी मलपोरा हब्बाकदल) और फैसल अहमद गुरू (निवासी राजोरी कदल) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके खिलाफ यूएपीए और आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। प्राथमिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि दोनों आरोपी क्षेत्र में लश्कर के आतंकियों के लिए काम कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घाटी में आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पिछले 25 दिनों में कश्मीर के विभिन्न इलाकों से अब तक 16 आतंकी मददगारों को दबोचा जा चुका है। इससे पहले 18 अप्रैल को हवल में चार, 23 अप्रैल को एक महिला समेत चार, और फिर 26 अप्रैल व 2 मई को भी गिरफ्तारियां की गई थीं। सुरक्षाबलों का कहना है कि आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ यह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पंजाब के पर्यटकों ने कुल्लू में तलवारों से किया हमला, स्थानीय लोग घायल

शिमला(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के बंजार में पंजाब से आए पर्यटकों द्वारा कथित तौर पर तलवारें लहराने और लोगों पर हमला करने का मामला सामने आया है। इस घटना में दो स्थानीय नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें से एक का हाथ और दूसरे का गाल तलवार से कट गया। वारदात के बाद इलाके में तनाव फैल गया और पुलिस की कार्रवाई पर भी गंभीर सवाल उठे हैं। यह वारदात 10 मई की शाम को तब हुई जब पंजाब के लुधियाना जिले के खन्ना क्षेत्र से आए चार पर्यटक, मंदीप सिंह, प्रदीप सिंह, जश्नप्रीत और प्रीतपाल की गाड़ी से एक व्यक्ति को टक्कर लग गई। इस मामूली बात पर शुरू हुई कहासुनी जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई, जब पर्यटकों ने अपनी गाड़ी से तलवारें निकालकर लोगों पर हमला किया। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि ये पर्यटक चिट्टे (नशीले पदार्थ) के नशे में थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चारों आरोपियों को हिरासत में लिया। हालांकि, इसके तुरंत बाद लोगों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाकर थाने का घेराव किया। उनका कहना था कि पुलिस ने पांच लाख रुपये की रिश्वत लेकर आरोपियों को छोड़ने का प्रयास किया, उनका मेडिकल नहीं करवाया, और नशे में धुत होने के बावजूद उन्हें वीआईपी ट्रीटमेंट दिया था। स्थानीय लोग 11 मई की अलसुबह 4 बजे तक थाने में डटे रहे और पुलिस अधिकारियों के साथ उनकी तीखी बहस जारी रही।

भारत की वैक्सीन मैत्री ने 42 अफ्रीकी देशों तक पहुंचाई कोविड वैक्सीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोविड-19 महामारी के सबसे कठिन दौर में भारत ने अपनी वैक्सीन मैत्री पहल के तहत 42 अफ्रीकी देशों को 4 करोड़ से अधिक मेड-इन-इंडिया वैक्सीन खुराकें प्रदान कर वैश्विक एकजुटता का एक उदाहरण पेश किया। इंडियन डिप्लोमेसी के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा की गई पोस्ट में इस मानवीय प्रयास को वसुधैव कुटुंबकम (पूरी दुनिया एक परिवार है) की भावना का प्रतीक बताया है। साल 2020 में जब पूरी दुनिया वैक्सीन की भारी कमी से जूझ रही थी, तब भारत ने सबसे पहले मदद के लिए हाथ बढ़ाया। इस पहल ने न केवल भारत की वैश्विक जिम्मेदारी को दर्शाया, बल्कि मानवता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दिखाया। बोत्सवाना, केन्या, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस, मिस्र, नाइजीरिया, युगांडा, रवांडा, इथियोपिया, जिम्बाब्वे जैसे देश उन 42 अफ्रीकी राष्ट्रों में शामिल थे, जिन्हें ये जीवनरक्षक खुराकें मिलीं। इस दौरान भारत ने केवल अपने नागरिकों की जरूरतों पर ध्यान केंद्रित नहीं किया, बल्कि अन्य देशों की आवश्यकताओं को भी प्राथमिकता दी। यह कदम भारत और अफ्रीका के बीच के गहरे और भरोसेमंद संबंधों को भी मजबूत करता है, जो केवल कूटनीति तक सीमित नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गर्व और विनम्रता व्यक्त कर कहा था कि भारत में बनी वैक्सीन दुनिया भर के देशों तक पहुंच रही है, और इसका उद्देश्य सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि मानवता की मदद करना है।

हिमाचल गवर्नर का ईंधन बचत पर बड़ा फैसला : काफिला आधा, हेलीकॉप्टर का त्याग

शिमला(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत की अपील पर अमल करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने अपने आधिकारिक काफिले को तत्काल प्रभाव से कम करने और सरकारी कार्यक्रमों के लिए हेलीकॉप्टर का उपयोग न करने की घोषणा की है। बात दें कि बढ़ती वैश्विक ऊर्जा चुनौतियों के मद्देनजर, राज्यपाल ने हिमाचल को ईंधन बचत की दिशा में एक मॉडल राज्य बनाने का संकल्प लिया है। उनकी घोषणा के बाद अब सबकी निगाहें मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर टिकी हैं, जिन्होंने अभी तक ऐसी कोई घोषणा नहीं की है।

इस पहल के तहत, राज्यपाल ने लोक भवन को फ्यूल कंजर्वेशन जोन के रूप में संचालित करने की बात कही है, जहां हर रविवार को पेट्रोल-फ्री संडे मनाया जाएगा। इसका अर्थ है कि रविवार को किसी भी सरकारी वाहन में आयातित ईंधन का उपयोग नहीं होगा, और सभी सरकारी कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या संयुक्त यात्रा व्यवस्था के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने गैर-जरूरी बैठकों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित करने के निर्देश दिए हैं ताकि अनावश्यक सड़क यात्रा और ईंधन खर्च को कम किया जा सके। सरकारी कार्यक्रमों और आयोजनों को भी समेकित किया जाएगा, जिससे वाहनों की आवाजाही कम हो। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति होने के नाते, राज्यपाल ने कुलपतियों से भी कैंपस में ईंधन और ऊर्जा संरक्षण को संस्थागत रूप से लागू करने की अपील की है। उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को कारपूलिंग, साइकिल चलाने और सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश देने को कहा।

ममता ने कहा- अकेले आए थे, अकेले ही जाना है

-हार के बाद टीएमसी प्रमुख ने कविता के जरिए दिया संदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के साथ ही राज्य में ममता बनर्जी का 15 साल पुराना शासन समाप्त हो गया है। तृणमूल कांग्रेस की इस बड़ी हार और सत्ता गंवाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अब एक अलग ही भावनात्मक और कूटनीतिक अंदाज में नजर आ रही हैं। चुनाव परिणामों के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी लिखी एक कविता साझा की है, जिसका शीर्षक है ब्रेव यानी बहादुर। इस कविता के माध्यम से उन्होंने न केवल हार से निराश कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की कोशिश की है, बल्कि जीवन के शाश्वत सत्य का भी उल्लेख किया है।

ममता बनर्जी ने अपनी कविता में संदेश दिया है कि असली ताकत इंसान के भीतर होती है। उन्होंने लिखा, बहादुर और मजबूत बनो। अगर आपको खुद पर भरोसा है, तो दुनिया की कोई ताकत आपको छू नहीं सकती। आपकी ताकत आपके भीतर है, इसे गरिमा के साथ बनाए रखें। कायर हमेशा कायर ही रहेंगे, लेकिन मजबूत लोग हमेशा टिके रहते हैं। कार्यकर्ताओं को जीवन का दर्शन समझाते हुए उन्होंने आगे लिखा कि मनुष्य इस दुनिया में अकेले आता है और उसे अकेले ही जाना पड़ता है, केवल उसके अच्छे कर्म ही जीवित रहते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि बुराई अधिक समय तक नहीं टिक सकती और अंत में जीत अच्छाई की ही होगी।

गौरतलब है कि इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस 293 सीटों में से केवल 80 सीटों पर सिमट गई, जबकि भाजपा ने 207 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया। इस करारी हार के बाद तृणमूल खेमे में भारी असंतोष देखा जा रहा है। पार्टी के कई दिग्गज नेताओं और मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा है। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब कई नेताओं ने नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया, जिसके जवाब में पार्टी ने कोहिनूर मजूमदार और रिजु दत्ता सहित कई प्रवक्ताओं को छह साल के लिए निलंबित कर दिया है। ऐसे कठिन समय में ममता बनर्जी की यह कविता बिखरी हुई पार्टी को एकजुट रखने और समर्थकों में नई ऊर्जा फूंकने का एक कूटनीतिक प्रयास मानी जा रही है। राज्य में अब सत्ता परिवर्तन हो चुका है और भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर नई सरकार की कमान संभाल ली है।

सोनिया गांधी रूटीन चेकअप के बाद घर लौटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को रूटीन चेकअप के लिए गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचीं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि जांच के बाद वह घर लौट आई हैं। सूत्रों के मुताबिक सोनिया गांधी को मंगलवार रात करीब 10:30 बजे मेदांता इंस्टीट्यूट ऑफ डाइजेस्टिव एंड हेपेटोबिलियरी साइंसेज में भर्ती कराया गया था। हालांकि, अस्पताल की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। इससे पहले 24 मार्च को बुखार और संक्रमण के कारण उन्हें दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वहां वह 7 दिन तक डॉक्टरों की निगरानी में रही थीं। राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को जनवरी से अब तक तीसरी बार भर्ती होना पड़ा है। इससे पहले मार्च में उन्हें सर गंगाराम अस्पताल ले जाया गया था। पेट में इंफेक्शन से जुड़ी समस्या बताई थी, जिसके इलाज के लिए वह वहां पहुंची थीं। वहीं जनवरी में उन्हें सांस लेने में समस्या हुई थी। यह भी कहा गया था कि दिल्ली में बढ़े हुए प्रदूषण और सर्दी के चलते भी उन्हें यह परेशानी हुई है। जून 2025 में भी सोनिया गांधी को सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया था। तब उन्हें हाई ब्लड प्रेशर की समस्या बताई थी। बता दें बीते कुछ सालों से सोनिया गांधी का स्वास्थ्य थोड़ा खराब रहा है। माना जाता है कि इसके चलते उन्होंने कांग्रेस में अपनी सक्रियता भी पहले के मुकाबले कम कर दी है। यही नहीं राजनीतिक बैठकों, रैलियों आदि में भी वह पहले के मुकाबले कम ही दिखाई देती हैं। अभी 5 राज्यों के चुनाव प्रचार में भी उनकी सक्रियता नहीं नजर आई। प्रचार की पूरी कमान राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा, मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे नेताओं ने ही संभाल रखी थी।

भाई की मौत से दुखी अखिलेश ने कहा- कानून और परिवार जो तय करेगा, वही मानेंगे

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। इस दुखद खबर से यादव परिवार और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रतीक यादव के निधन के बाद अखिलेश यादव लखनऊ स्थित पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे, जहां वह काफी देर तक मौजूद रहे। बाहर निकलने के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में गहरा दुख व्यक्त किया। मौत के कारणों को लेकर पूछे गए सवाल पर सपा प्रमुख ने संयमित प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि परिवार और कानून जो तय करेगा, वही स्वीकार किया जाएगा। अखिलेश यादव ने जोर देकर कहा, कानून और परिवार के लोग जो कहेंगे, हम उसी बात को मानेंगे। हम पूरी तरह कानूनी रास्ता अपनाएंगे।

अखिलेश यादव ने बताया कि करीब दो महीने पहले हमारी मुलाकात हुई थी। मैंने उनसे कहा था कि अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और अपने कारोबार को आगे बढ़ाएं। कई बार कारोबार में नुकसान होने पर व्यक्ति अंदर से टूट जाता है। उन्होंने अपने छोटे भाई को याद करते हुए कहा, मैंने प्रतीक को बचपन से देखा है। यह बेहद दुखद है कि वह आज हमारे बीच नहीं हैं। वह जीवन में आगे बढ़कर काम करना चाहते थे। उनके जाने से परिवार को गहरा आघात पहुंचा है। उधर, सैफई स्थित यादव परिवार के पैतृक आवास के बाहर भी सन्नाटा पसरा हुआ है, क्योंकि परिवार के अधिकांश सदस्य लखनऊ रवाना हो गए हैं। इटावा और सैफई क्षेत्र में भी इस दुखद घटना के बाद शोक का माहौल देखा जा रहा है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान भी प्रतीक यादव के आवास पर पहुंचीं और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, यह एक बहुत ही दुखद घटना है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। भगवान परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। ज्ञात हो कि प्रतीक यादव, समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे और भाजपा नेता अपर्णा यादव के पति थे। उनका पार्थिव शरीर पोस्टमॉर्टम के लिए लखनऊ स्थित केजीएमयू लाया गया है।

सीबीआई डायरेक्टर चयन पर राहुल गांधी की असहमति

बोले- विपक्ष का नेता 'रबर स्टैंप' नहीं, चयन प्रक्रिया को बताया पक्षपातपूर्ण

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री आवास पर मंगलवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नए सीबीआई डायरेक्टर के चयन को लेकर अपनी असहमति जताई है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया को महज औपचारिकता बनाकर रख दिया गया है और विपक्ष की भूमिका को नजरअंदाज किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर हुई इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और राहुल गांधी शामिल हुए। बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। बैठक के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा करते हुए चयन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने कहा कि सीबीआई डायरेक्टर के चयन के लिए सरकार की ओर से 69 उम्मीदवारों की सूची दी गई, लेकिन उनसे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उम्मीदवारों की सेल्फ असेसमेंट रिपोर्ट और 360-डिग्री मूल्यांकन रिपोर्ट देने से साफ इनकार कर दिया गया।

राहुल ने अपने पत्र में लिखा कि विपक्ष के नेता को चयन समिति में इसलिए शामिल किया जाता है ताकि संस्थाओं पर किसी एक पक्ष का नियंत्रण न हो और प्रक्रिया निष्पक्ष बनी रहे। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक दस्तावेज और मूल्यांकन रिपोर्ट ही साझा नहीं की जाएंगी, तो विपक्ष की भूमिका केवल ÷रबर स्टैंप÷ बनकर रह जाएगी।

उन्होंने केंद्र सरकार पर सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि एजेंसी का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों और आलोचकों को निशाना बनाने के लिए किया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि बिना किसी कानूनी आधार के जानकारी देने से इनकार करना चयन प्रक्रिया का मजाक उड़ाने जैसा है और इससे यह संदेश जाता है कि सरकार पहले से तय उम्मीदवार को ही चुनना चाहती है। राहुल गांधी ने यह भी बताया कि उन्होंने इससे पहले 5 मई 2025 और 21 अक्टूबर 2025 को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के सुझाव दिए थे, लेकिन अब तक उन पत्रों का कोई जवाब नहीं मिला।

गौरतलब है कि वर्तमान सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल 24 मई को समाप्त हो रहा है। ऐसे में नए निदेशक के चयन को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, सीबीआई निदेशक के चयन की प्रक्रिया में प्रधानमंत्री, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल होते हैं। समिति द्वारा नाम तय किए जाने के बाद गृह मंत्रालय की सिफारिश पर कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) नियुक्ति का औपचारिक आदेश जारी करता है।

क्लीन पॉलिटिक्स करने वाले अब डर्टी पॉलिटिक्स करने पर उतारु : स्टालिन

-देखना होगा कि अन्नाद्रमुक के विधायकों को क्या मिलता है

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में विश्वास मत के बाद नया सियासी घमासान छिड़ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) के प्रमुख एमके स्टालिन ने तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) सरकार पर गंदी राजनीति (डर्टी पॉलिटिक्स) करने का गंभीर आरोप लगा दिया है। डीएमके नेता स्टालिन ने कहा कि डीएमके ने पहले ही यह रुख अपना लिया था कि वह टीवीके सरकार के गठन या उसके बने रहने में कोई बाधा नहीं डालेगी। इसी के तहत डीएमके विधायकों ने विश्वास मत का बहिष्कार किया और सदन से वॉकआउट कर गए। स्टालिन ने बताया कि विधानसभा में उनके गठबंधन सहयोगियों प्रेमलता विजयकांत, प्रोफेसर जवाहरुल्लाह, थमिमुन अंसारी और नित्यानंदन ने भी सदन से वॉकआउट कर उनका साथ दिया। वहीं, सीपीआई, सीपीआई (एम), आईयूएमएल और वीसीके जैसे सहयोगी दलों ने राष्ट्रपति शासन की संभावना को रोकने के लिए सरकार के पक्ष में मतदान किया, जिसके लिए स्टालिन ने दोनों निर्णयों का सम्मान व्यक्त किया। हालांकि, स्टालिन ने आरोप लगाया कि अब टीवीके सरकार उन लोगों का भरोसा तोड़ रही है, जिन्होंने सरकार बनने की मदद की।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में सत्ताधारी दल की गतिविधियों और सहयोगी दलों के बयानों से साफ हो गया है कि सरकार स्वच्छ राजनीति के अपने वादे से भटक चुकी है। डीएमके प्रमुख ने टीवीके पर अन्नाद्रमुक के अंदरूनी विवाद का फायदा उठाकर उसके विधायकों को अपने पक्ष में करने का आरोप लगाया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग क्लीन पॉलिटिक्स का नारा देकर सत्ता में आए थे, वे अब डर्टी पॉलिटिक्स में शामिल हुए हैं।

स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय को संबोधित कर कहा कि तमिलनाडु की जनता सरकार की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है और यह भी देख रही है कि अन्नाद्रमुक से जुड़े विधायकों को किस तरह का रिटर्न गिफ्ट दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि डीएमके अपनी विचारधारा से पीछे नहीं हटेगी और राज्य में एक मजबूत व रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाती रहेगी। उनके इस बयान के बाद तमिलनाडु की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है।

अधिकारी किसानों के लिए सेना की तरह काम करें, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

-सोरेन सरकार की कृषि मंत्री ने जिले में कांटिजेंट प्लान बनाने के दिए निर्देश

रांची (एजेंसी)। झारखंड में सोरेन सरकार की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के उत्थान के प्रति गंभीर है और इस दिशा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों के हित के लिए जो काम करेंगे, उनको सम्मान दिया जाएगा और जो लापरवाही करेंगे उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री तिर्की मंगलवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित खरीफ कर्मशाला 2026 के दूसरे दिन कर्मशाला में कृषि प्रभाग के निदेशकों की अनुपस्थिति पर कड़ी नाराजगी जाहिर की।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि मौसम विभाग के मुताबिक इस साल मानसून में कम बारिश के आसार है जिस कारण सूखे की स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसे में राज्य सरकार पहले से ही तैयारी कर किसानों को राहत पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है। सुखाड़ की आशंका को देखते हुए सभी जिला के कृषि पदाधिकारियों को अपने अपने जिले में कांटिजेंट प्लान बनाने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए समय अहम होता है। उसे यदि सही समय पर बीज न मिले, सिंचाई की सुविधा न मिले तो सारी मेहनत बेकार है।

उन्होंने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग एक सेना के रूप में किसानों के लिए काम करेंगे। जिला में नोडल पदाधिकारी जिला कृषि पदाधिकारी रहेंगे और कृषि प्रभाग से जुड़े सभी पदाधिकारी मिलकर एक्शन मोड पर काम करेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि 15 मई को जिला स्तरीय बैठक बुलाए, जिसमें प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इसकी रिपोर्ट राज्य के नोडल पदाधिकारी को भेजेंगे। 20 मई को हर जिला में खरीफ मेला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 500 प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। इसमें हर प्रखंड से भागीदारी हो इसे तय करेंगे।

मेला में मृदा जांच काउंटर भी उपलब्ध कराएंगे। कर्मशाला में जो बातें आपने सीखी है उसे सरल तरीके से किसानों को समझाना होगा। कृषि विभाग से क्या मदद मिल सकती है उसकी जानकारी भी दें। 22 मई को प्रखंड स्तर भी खरीफ मेला का आयोजन करें और पंचायत स्तर भागीदारी तय करें। हर पंचायत से 50-50 प्रगतिशील किसानों की भागीदारी तय करें। बीज का वितरण एसएचजी और एफपीओ के जरिए हो इसे भी तय करेंगे।

कृषि मंत्री ने कहा कि यह तय किया जाए कि पशुओं के दवाई का वितरण समय पर होने के लिए निविदा समय पर निकाली जाए। मई अंत तक तालाबों के जीर्णोद्धार का कार्य समाप्त हो जाना चाहिए। किसान आय के अन्य उपायों को भी अपनाने पर जोर दें, इसके लिए उन्हें प्रेरित करना होगा। जिला कृषि पदाधिकारी को अपने जिले की कृषि से संबंधित सभी जानकारी रखनी होगी।

पाकिस्तान से बातचीत होते रहना चाहिए : संघ

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत और पाकिस्तान के बीच जारी गतिरोध को समाप्त करने के लिए नागरिक समाज की भूमिका और आपसी संवाद पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने का सबसे प्रभावी माध्यम लोगों के बीच आपसी संपर्क है और बातचीत के दरवाजे हमेशा खुले रहने चाहिए।

होसबाले ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व ने भारत का विश्वास पूरी तरह खो दिया है। ऐसी स्थिति में अब समय आ गया है कि दोनों देशों का नागरिक समाज, शिक्षाविद, खिलाड़ी, वैज्ञानिक और सामुदायिक नेता आगे आएं और नेतृत्व करें। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अंततः नागरिक समाज के रिश्ते ही काम आएंगे क्योंकि दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंध हैं और हम कभी एक ही राष्ट्र रहे हैं।

आतंकवाद के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने 26/11, पुलवामा और पहलगाम जैसे हमलों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक स्तर पर हर संभव प्रयास किए जा चुके हैं, लेकिन पाकिस्तान की ओर से उकसावे वाली हरकतें जारी रहती हैं। इसके बावजूद, उन्होंने सुझाव दिया कि व्यापार, वाणिज्य और वीजा जारी करने जैसी प्रक्रियाएं बंद नहीं होनी चाहिए। उनके अनुसार, कूटनीतिक संबंधों को बनाए रखने का उद्देश्य यही है कि संवाद के लिए हमेशा एक खिड़की खुली रहे। उन्होंने सरकार को सलाह देते हुए कहा कि किसी भी देश की सुरक्षा और आत्मसम्मान की रक्षा करना सर्वोपरि है और मौजूदा सरकार को इसका पूरा ध्यान रखना चाहिए। लेकिन सुरक्षा चिंताओं के साथ-साथ ट्रैक टू कूटनीति और जन-संपर्क को और अधिक आजमाया जाना चाहिए। उन्होंने माना कि राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व में भारत के प्रति नकारात्मकता हो सकती है, लेकिन सांस्कृतिक और सामाजिक स्तर पर जुड़ाव ही भविष्य की उम्मीद है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पारंपरिक राजनयिक माध्यमों पर काफी समय से चुप्पी छाई हुई है और नागरिक समाज की भागीदारी को लेकर नई बहस शुरू हो गई है।

सोने के बहाने डॉलर की अकड़ कम करना हो सकता है पीएम का दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। चौक-चौराहों से लेकर सोशल मीडिया तक, इन दिनों हर तरफ एक ही सवाल गूंज रहा है कि आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से सोना खरीदने और विदेश घूमने से मना क्यों किया? दरअसल, मौजूदा समय में पश्चिम-एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें 75 डॉलर से उछलकर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। चूंकि भारत अपनी जरूरत का 85प्रतिशत से ज्यादा तेल आयात करता है और इसका भुगतान डॉलर में करना पड़ता है, इसलिए तेल खरीदना अब देश के लिए बहुत महंगा सौदा साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री जानते हैं कि तेल अनिवार्य है क्योंकि ट्रक चलेंगे तभी अनाज पहुंचेगा और फैक्ट्रियां चलेंगी तभी अर्थव्यवस्था की पहिया घूमेगा। इसलिए उन्होंने उन चीजों पर कटौती की अपील की है जिन्हें टाला जा सकता है, जैसे सोना और पर्यटन।

प्रधानमंत्री ने लगातार दो दिनों तक जनता से अगले एक साल के लिए सोने से दूरी बनाने, पेट्रोल-डीजल और खाद्य तेल की खपत कम करने के साथ-साथ विदेश यात्राओं को फिलहाल टालने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री के इस बयान के अब गहरे आर्थिक और रणनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। असल में, यह पूरी कवायद भारत के विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये की गिरती कीमत को संभालने की एक बड़ी कोशिश है।

भारत में सोने का मोह जगजाहिर है। आंकड़ों के अनुसार, वित्त-वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने करीब 6,11,830 करोड़ रुपये का 721 टन से अधिक सोना आयात किया। औसतन भारत हर घंटे 82 किलो सोना विदेशों से खरीदता है। जब हम इतनी भारी मात्रा में सोना या अन्य विलासिता की चीजें खरीदते हैं, तो बाजार में डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। वर्तमान में रुपया डॉलर के मुकाबले 95 के स्तर को पार कर चुका है। यदि यह गिरावट जारी रही, तो डॉलर 100 रुपये तक पहुंच सकता है, जिससे देश में भीषण महंगाई का खतरा पैदा हो जाएगा। प्रधानमंत्री की यह अपील करेंट अकाउंट डेफिसिट को काबू में रखने और डॉलर पर भारत की निर्भरता कम करने के लिए है। वर्क-फ्रॉम-होम और कारपूलिंग जैसी सलाहों के पीछे का मकसद भी यही है कि इंटरनेट का उपयोग कर पेट्रोल-डीजल की खपत घटाई जाए, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। सरल शब्दों में कहें, तो सरकार चाहती है कि वैश्विक बाजार के उतार-चढ़ाव का असर मध्यम वर्ग की थाली पर न पड़े और भारतीय अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों के बावजूद आत्मनिर्भर और मजबूत बनी रहे।

दवा के बहाने महिला से लूटी थी सोने की चेन: प्रतापनगर पुलिस और डीएसटी ने किया गिरोह का पर्दाफाश, मास्टरमाइंड हिस्ट्रीशीटर सहित तीन गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

प्रतीकात्मक

जिले की प्रतापनगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) ने संयुक्त रूप से एक बड़ी कार्रवाई करते हुए संगठित अपराध और चेन स्नेचिंग की वारदात का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि गैंग का सरगना एक हिस्ट्रीशीटर है, जो कम उम्र के युवाओं को अपने साथ रखकर उनसे लूट और स्नेचिंग की वारदातें करवाता था।

दिनदहाड़े क्लिनिक पर हुई थी वारदात

घटना 10 मई 2026 की है। परिवादी दमयंती सोलंकी (47) ने पुलिस को रिपोर्ट दी थी कि वह पुर रोड के बिलिया स्थित अपने 'शिव स्वास्थ्य क्लिनिक' पर बैठी थीं। दोपहर करीब 12:50 बजे स्प्लेंडर प्लस बाइक पर 20-22 साल के दो युवक आए। एक युवक बाइक स्टार्ट कर बाहर खड़ा रहा, जबकि दूसरा क्लिनिक के अंदर आया। उसने पहले दवाई ली और फिर 'विक्स' की डिब्बी मांगी। जैसे ही महिला ने विक्स निकालने के लिए ध्यान हटाया, युवक ने झपट्टा मारकर उनके गले से 35 ग्राम सोने की चेन तोड़ ली और अपने साथी के साथ बाइक पर फरार हो गया।

पीड़िता के अनुसार, बाइक पर आगे-पीछे हिंदी में 'जाट' लिखा हुआ था और दोनों लुटेरों ने सफेद कपड़े से अपना मुंह बांध रखा था। इस रिपोर्ट पर प्रतापनगर थाने में बीएनएस 2023 की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

तकनीकी साक्ष्यों से पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपी

जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारस जैन व वृताधिकारी सज्जन सिंह के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी सुनील ताड़ा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। प्रतापनगर थाने की टीम और डीएसटी (साइबर सेल) ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान सुनिश्चित की और दबिश देकर उन्हें डिटेन कर लिया।

युवाओं को मोहरा बनाता था आदतन अपराधी

पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान निम्नलिखित है: संजू जाट (26) - निवासी जाटो का मोहल्ला, सोला का खेड़ा (थाना मंगरोप)। चांदमल जाट (20) - निवासी भगा का खेड़ा (थाना मंगरोप)। रमेश चन्द्र गाडरी (29) - निवासी लपसिया खेड़ा (थाना कुंवारिया, राजसमंद), हाल निवासी पटेलनगर, भीलवाड़ा।

मास्टरमाइंड का क्रिमिनल रिकॉर्ड:

पुलिस ने बताया कि आरोपी रमेश गाडरी कुंवारिया (राजसमंद) थाने का हिस्ट्रीशीटर और आदतन चेन स्नेचर है। वह अपने साथ कम उम्र के जवानों/लड़कों को रखता है और उन्हें लालच देकर उनसे चेन स्नेचिंग की वारदातें करवाता है।

इस कार्रवाई में प्रतापनगर थाने के हेड कांस्टेबल रविन्द्र सिंह, कांस्टेबल सुरेश कुमार, कुलदीप सिंह और डीएसटी के हेड कांस्टेबल दिलीप सिंह, कांस्टेबल दिलीप, गीतम सिंह व पंकज का विशेष योगदान रहा। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

45 किलो डोडा चूरा के साथ ब्रेजा कार जब्त, टायर फटने से डिवाइडर से टकराई तस्कर की कार

स्मार्ट हलचल

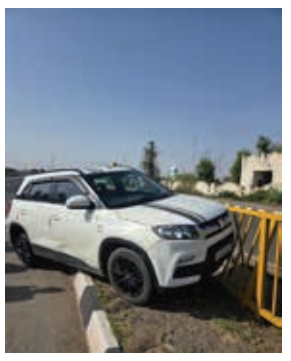

भीलवाड़ा। प्रदेश में नशे के सौदागरों के खिलाफ एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है।इसी कड़ी में भीलवाड़ा एएनटीएफ टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 45 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा बरामद कर एक ब्रेजा कार जब्त की है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने फिल्मी अंदाज में करीब 5 किलोमीटर पीछा कर आरोपी तस्कर को धर दबोचा।

एएनटीएफ महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार ने बताया कि अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम.एन. के निर्देशन तथा उप महानिरीक्षक अभिजीत सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अमित जैन के नेतृत्व में नशा तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

सूचना मिली थी कि बेंगू-चितौड़गढ़ की तरफ से एक सफेद ब्रेजा कार में अवैध मादक पदार्थ भरकर जोधपुर ले जाया जा रहा है। सूचना की तस्दीक के बाद एएनटीएफ टीम ने मांडल थाना क्षेत्र के एनएच-79 स्थित भदालीखेड़ा में सादा वेश में नाकाबंदी की।

नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध ब्रेजा कार को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने कार तेज गति से भगाते हुए नाकाबंदी तोड़ दी। टीम ने कार को रोकने के लिए स्टॉप स्टिक भी डाली, मगर आरोपी नहीं रुका। इसके बाद पुलिस ने करीब 5 किलोमीटर तक पीछा किया। इसी दौरान कार का टायर फट गया और चालक संतुलन खो बैठा, जिससे कार डिवाइडर पर चढ़ गई।

टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया और मांडल पुलिस को सूचना दी। तलाशी में कार से 45 किलो अवैध डोडा चूरा बरामद हुआ। पुलिस ने ब्रेजा कार नंबर आरजे 60 सीडी 6910 को जब्त कर आरोपी विकास पुत्र थानाराम विश्नोई (24) निवासी डोली, थाना कल्याणपुर, जिला बालोतरा को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की आमजन से अपील

पुलिस ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि मादक पदार्थ तस्करी या किसी भी अपराध से जुड़ी सूचना एएनटीएफ कंट्रोल रूम नंबर 0141-2502877 या व्हाट्सएप नंबर 9261225056 पर दी जा सकती है। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

आग का तांडव, डीपी ज्वैलर्स की दुकान में आग लगने से मचा हड़कंप

चार अग्निशमन की गाड़ियों ने मशक्कत कर पाया आग पर काबू

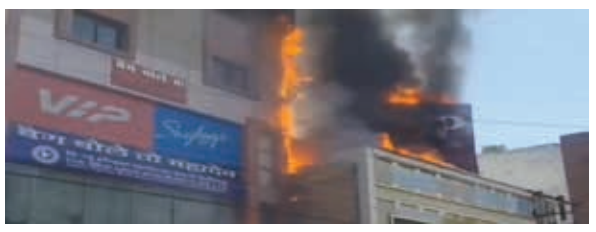

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शहर में शुक्रवार सुबह आग का तांडव देखने को मिला, नगर निगम के पास स्थित डीपी ज्वैलर्स दुकान की छत पर अचानक आग लग गई जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और अफरा तफरी का माहौल बन गया । सूचना पर फायर ब्रिगेड की पांच गाड़िया मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए धीरे धीरे हवा के साथ आग ने विकराल रूप धारण कर लिया आग की लपटे भावः होती गई वही सूचना लगने पर क्षेत्रीय थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई । उधर दुकान में आग लगने की खबर फैलते ही मौके पर लोगो की भारी भीड़ जमा हो गई । जैसे तैसे अग्नि शमन की गाड़ियों ने घंटो मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया । वही भीषण आग ने पास में फर्नीचर शोरूम को भी चपेट में ले लिया जिससे वहां भी काफी नुकसान होने का अनुमान है । इस घटना से कितना नुकसान हुआ है इसका विश्लेषण किया जा रहा है पूरी जांच पड़ताल के बाद ही वस्तु स्थिति पता चल पाएगी । आग किन कारणों से लगी यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया हालाकी प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट को माना जा रहा है।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग का फैसला

विपक्षीगण जीना सीखो व वंशिका एंटरप्राइजेज को क्षतिपूर्ति राशि 55000 रुपए परिवादी को अदा करने का दिया आदेश

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग भीलवाड़ा ने अपना महत्वपूर्ण फैसला सुनते हुए विपक्षीगण मेसर्स जीना सीखो लाइफ केयर प्राइवेट लिमिटेड व वंशिका एंटरप्राइजेज को आदेश दिया कि वह 2 माह में परिवादी अशोक कुमार पेशवानी को क्षतिपूर्ति राशि 50000 रुपए व अधिवक्ता शुल्क 5000 कुल 55000 रुपए अदा करे।

मामले के तथ्य इस प्रकार हे कि विपक्षी संख्या 1 मेसर्स जीना सीखो ने अपने विज्ञापन में बताया कि उसके द्वारा निर्मित औषधियों का उपयोग करने व योग प्राणायाम करने से स्वास्थ्य लाभ व मानसिक शांति प्राप्त होती है विपक्षी के विज्ञापन से प्रभावित होकर का परिवादी अशोक कुमार पेशवानी ने विपक्षी संख्या 1 जीना सीखो से 'डॉ. शुद्धि पैकेज' राशि 4200 रुपए का ऑर्डर किया जिस पर परिवादी को प्राप्त पैकेज में 4 प्रकार की औषधियों का सेवन बताएं अनुसार परिवादी ने आहार-व्यवहार, योग, प्राणायाम, भोजन का पालन किया लेकिन औषधि सेवन के 10 दिन बाद परिवादी को थकावट, बेचैनी व खुजली की शिकायत हुई तो उन्होंने विपक्षीगण से संपर्क किया तो विपक्षीगण ने बताया कि आपके शरीर की सुधार प्रक्रिया चल रही है, उक्त लक्षण कोई बीमारी नहीं है, आप औषधि का सेवन करते रहे, लाभ होगा। विपक्षीगण के आश्वासन पर औषधि का निरंतर सेवन करने से परिवादी को थकावट, बेचैनी, दर्द, फोड़े-फुंसी व अन्य शारीरिक शिकायत व गंभीर समस्या होने लगी तो परिवादी ने राजकीय महात्मा गांधी चिकित्सालय भीलवाड़ा में डॉक्टर को दिखाया तो उन्होंने औषधियों को तुरंत बंद करने को कहा ओर कहा कि आपको दोषपूर्ण औषधियां विक्रय की गई है इस कारण आपके समस्या हुई है ये औषधीय स्वास्थ्यवर्धक न होकर मानव जीवन के लिए संकटमय पदार्थ है। इस पर परिवादी ने विपक्षीगण को 30/1/21 को उक्त सम्बन्ध में नोटिस भेजा तो विपक्षीगण ने कोई विधिक जवाब नहीं देकर कार्यवाही नहीं करने व तुच्छ राशि लेकर मामला रफा दफा करने को कहा तो परिवादी ने उसको हुई शारीरिक, मानसिक संताप की क्षतिपूर्ति के लिए जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग भीलवाड़ा में अपने अधिवक्ता मनोहर लालवानी, पीरू सिंह गौड, रवि गोरानी के मार्फत परिवाद पेश किया जिस पर परिवादी के द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों के आधार पर व उक्त सम्बन्ध में बहस के दौरान दिए गए तर्कों के आधार पर पीठासीन अधिकारी अध्यक्ष हरिनारायण सारस्वत व सदस्य उमेश वतवानी ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि विपक्षीगण द्वारा परिवादी को ऐसी औषधि का विक्रय किया गया, जिससे परिवादी के शरीर सुधार होने के बजाय परिवादी के शरीर को नुकसान हुआ , जिसका उपचार परिवादी को अन्य चिकित्सालय में जाकर लेना पड़ा, जिससे परिवादी को शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक संताप कारित हुआ इस कारण विपक्षगण को आदेश दिया कि 50000 रुपए शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक क्षतिपूर्ति राशि व परिवाद व्यय व अधिवक्ता शुल्क 5000 रुपए कुल 55000 रूपये 2 माह में परिवादी को अदा करे। आदेश की पालना नहीं करने पर संपूर्ण राशि पर 9% वार्षिक ब्याज भी परिवादी विपक्षीगण से प्राप्त करने का अधिकारी होगा।

15 हजार का इनामी बजरी माफिया मांगीलाल गिरफ्तार

सुभाषनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हत्या के प्रयास व अपहरण के 7 मामले हैं दर्ज

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

जिले की सुभाषनगर थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन और परिवहन के मामले में वांछित चल रहे 15 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पकड़ा गया आरोपी शातिर अपराधी है, जिस पर जिले के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, अपहरण, मारपीट और आर्म्स एक्ट जैसे 7 गंभीर आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं।

अवैध खनन के मामले में था वांटेड

जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जिले भर में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। सुभाषनगर थानाधिकारी कैलाश कुमार विश्नोई ने बताया कि थाने में दर्ज प्रकरण संख्या 33/2026 (अवैध बजरी खनन एवं परिवहन - बीएनएस व एमएमआरडी एक्ट) में आरोपी मांगीलाल पुत्र नारायण जाट (निवासी आरजीया जाटो का खेड़ा, थाना मांडल) लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा उस पर 15,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

टीम ने अथक प्रयास कर किया डिटेन

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारस मल और वृताधिकारी (सदर) हरजीराम के सुपरविजन में थानाधिकारी कैलाश कुमार विश्नोई के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम में एएसआई इस्लाम मोहम्मद, हेड कांस्टेबल सतीश कुमार और कांस्टेबल अमर सिंह शामिल रहे। टीम ने अथक प्रयास और मुखबिरों की सूचना के आधार पर इनामी बदमाश मांगीलाल को डिटेन किया और पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया।

खौफ का दूसरा नाम: दर्ज हैं 7 गंभीर मुकदमे

पुलिस जांच में सामने आया है कि मांगीलाल एक आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ मांडल, सदर भीलवाड़ा, बड़लियास, बनेड़ा और पुर थाने में कुल 7 गंभीर मामले दर्ज हैं, जो न्यायालय में विचाराधीन (जैर ट्रायल) हैं। इनमें हत्या का प्रयास (धारा 307), अपहरण (365), दंगा करना, आर्म्स एक्ट, अवैध खनन और एससी/एसटी एक्ट जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। फिलहाल सुभाषनगर पुलिस आरोपी से बजरी खनन से जुड़े मामले में आगे की पूछताछ कर रही है।

माण्डल ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार के आरोप, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

माण्डल ग्राम पंचायत में कथित भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग को लेकर ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत माण्डल के तत्कालीन सरपंच/प्रशासक एवं ग्राम विकास अधिकारी पर पट्टों के आवंटन में नियम विरुद्ध कार्य करने तथा राजकोष को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि पट्टों से संबंधित विवाद की जांच के लिए बनी समिति अपनी रिपोर्ट जिला परिषद कार्यालय को सौंप चुकी है, जिसमें संबंधित अधिकारियों को नियम विरुद्ध कार्य करने का दोषी बताया गया है। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में रोष है।

ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि पिछले छह वर्षों में ग्राम पंचायत में हुए विकास कार्यों की भौतिक जांच कराई जाए तो कई अनियमितताएं सामने आ सकती हैं। ग्रामीणों ने केंद्र सरकार, राज्य सरकार, सांसद एवं विधायक कोष सहित विभिन्न योजनाओं के तहत हुए खर्च की जांच की मांग की है। साथ ही साफ-सफाई व्यवस्था, नालियों और सड़कों की स्थिति पर भी सवाल उठाए गए हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित सरपंच/प्रशासक और ग्राम विकास अधिकारी को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा।

हाईवे पर ईको कार से 58 किलो अवैध डोडा चूरा जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा/मंगरोप

जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में मंगरोप थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) ने एक बड़ी संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक सफेद रंग की ईको कार से भारी मात्रा में अवैध अफीम डोडा चूरा बरामद किया है। पुलिस ने मादक पदार्थ का परिवहन कर रहे उदयपुर जिले के दो तस्करों को गिरफ्तार कर कार को जप्त कर लिया है।

मुखबिर की सूचना पर बिछाया जाल

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस के अनुसार, डीएसटी टीम के कांस्टेबल रमेश कुमार को सूचना मिली थी कि चित्तौड़गढ़ से भीलवाड़ा की तरफ आ रहे हाइवे पर गुवारडी नाला के पास एक सफेद रंग की ईको कार खड़ी है, जिसमें अवैध मादक पदार्थ हो सकता है।

इस सूचना पर मंगरोप थानाधिकारी विजय मीणा ने टीम के साथ मौके पर दबिश दी और कार की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार के अंदर से तीन प्लास्टिक के पैकेट मिले, जिनमें कुल 58 किलो 47 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा भरा हुआ था।

ये तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

पुलिस ने मादक पदार्थ और परिवहन में प्रयुक्त कार को जप्त कर मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचानः

किशन लाल मीणा (26) पुत्र लोगर लाल मीणा, निवासी आमलीया (थाना भींडर, जिला उदयपुर) - कार चालक

कमलेश रावत (19) पुत्र किशन लाल रावत, निवासी बोरतलाई (थाना भींडर, जिला उदयपुर) के रूप में हुई है।

एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज

मंगरोप पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण संख्या 92/2026 दर्ज किया है। उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार इस मामले के आगे के अनुसंधान (जांच) का जिम्मा सुभाषनगर थानाधिकारी कैलाश चन्द विश्नोई को सौंपा गया है। पुलिस अब इन तस्करों से यह पूछताछ करने में जुटी है कि वे यह डोडा चूरा कहाँ से लाए थे और इसकी सप्लाई किसे की जानी थी।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीमः

इस अहम कार्रवाई में डीएसटी प्रभारी कन्हैया लाल, मंगरोप थानाधिकारी विजय मीणा, हेड कांस्टेबल बाबुलाल, कांस्टेबल राकेश, धोलाराम, दलीप, और सुन्दर लाल शामिल रहे। वहीं, डीएसटी टीम के कांस्टेबल रमेश कुमार और घीसु लाल का इस कार्रवाई में विशेष योगदान रहा।

शास्त्रीनगर में स्कूटी सवार महिला से चेन स्नेचिंग का पर्दाफाश

पुलिस की संयुक्त टीम ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शहर के शास्त्रीनगर इलाके में स्कूटी पर जा रही एक महिला के गले से सोने की चेन झपटने की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। कोतवाली और प्रतापनगर थाने की संयुक्त विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बिना नंबर की पल्सर मोटरसाइकिल का इस्तेमाल कर इस घटना को अंजाम दिया था।

पीहर से लौटते वक्त हुई थी वारदात

घटना 2 अप्रैल 2026 की रात की है। सुभाषनगर क्षेत्र की जैन ज्योति कॉलोनी निवासी श्वेता जैन (36) ने 3 अप्रैल को पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, श्वेता अपनी बेटी के साथ स्कूटी ('छ्06-रू-5845) पर आजाद चौक से शास्त्रीनगर स्थित अपने पीहर गई थीं। वहां से घर लौटते समय रात करीब 8:15 बजे शास्त्रीनगर नाले और डेयरी के बीच, पीछे से पल्सर बाइक पर सवार दो अज्ञात युवक आए। दोनों ने अपने मुंह कपड़े से बांध रखे थे। बाइक के पीछे बैठे युवक ने झपट्टा मारकर उनके गले से करीब डेढ़ तोला वजन की सोने की चेन तोड़ ली और शास्त्रीनगर चौराहे की तरफ फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में बीएनएस 2023 की धारा 304(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों से खुला राज

शहर में बढ़ती चोरी और स्नेचिंग की घटनाओं पर लगाम लगाने तथा आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम करने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (आईपीएस) ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारस जैन और वृत्ताधिकारी (शहर) सज्जन सिंह राठौड़ के सुपरविजन में कोतवाली व प्रतापनगर थाने की एक संयुक्त टीम का गठन किया गया।

टीम ने घटनास्थल के आसपास, प्रतिष्ठानों, दुकानों, रेलवे स्टेशन और अभय कमांड सेंटर के सैकड़ों सीसीटीवी कैमरे खंगाले। फुटेज के आधार पर अज्ञात आरोपियों और बिना नंबर वाली पल्सर बाइक की पहचान की गई। पुलिस ने आरोपियों की फोटो और वीडियो को राज-स्थान के विभिन्न पुलिस सोशल मीडिया ग्रुप्स और स्टेट कंट्रोल रूम में प्रसारित किया। सीसीटीवी के रूट चार्ट और पुख्ता मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी को धर दबोचा।

जोधपुर में पकड़ी गई 58 लाख की अंग्रेजी शराब, प्रदेशभर में 3.74 लाख लीटर 'वॉश' नष्ट

स्मार्ट हलचल| उदयपुर/जोधपुर

राजस्थान में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री पर लगाम कसने के लिए आबकारी विभाग एक्शन मोड में है। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश भर में चलाए जा रहे विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत ताबड़तोड़ कार्रवाइयां की जा रही हैं। अभियान के दौरान जोधपुर में जहां एक ट्रक से 58 लाख रुपये कीमत की अंग्रेजी शराब पकड़ी गई है, वहीं पूरे प्रदेश में अब तक 3 लाख 74 हजार 877 लीटर 'वॉश' (शराब बनाने का कच्चा माल) नष्ट किया जा चुका है।

जोधपुर में बड़ी कार्रवाई: 675 कार्टन अंग्रेजी शराब जब्त

बुधवार रात मुखबिर की पुख्ता सूचना पर जोधपुर और पाली आबकारी दल ने संयुक्त रूप से भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर जोधपुर के ओसियां में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

क्या मिलाः टीम ने एक 12 चक्का ट्रक की तलाशी ली, जिसमें से 675 पेटी (कार्टन) विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब बरामद हुई। यह शराब 'फॉर सेल इन चंडीगढ़' मार्का की थी। अनुमानित कीमतः जब्त की गई मदिरा की बाजार कीमत करीब 58 लाख रुपये आंकी गई है।

गिरफ्तारीः मौके से ट्रक चालक सहित 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।टीम वर्कः इस विशेष ऑपरेशन में जिला आबकारी अधिकारी (पाली) मनोज बिस्सा, मनोज ढाका, महेश शर्मा और आबकारी टीम जोधपुर की अहम भूमिका रही। अभियान के आंकड़े (1 से 13 मई 2026 तक)

आबकारी आयुक्त के निर्देशन में पिछले 13 दिनों के भीतर विभाग ने प्रदेश भर में सघन नाकाबंदी और छापेमारी करते हुए अवैध शराब माफियाओं की कमर तोड़ दी हैः

दर्ज मामलेः 1294 अभियोग

कुल गिरफ्तारियांः 537 व्यक्ति

जब्त वाहनः 55 वाहन (11 भारी वाहन, 3 हल्के चार-पहिया और 41 दोपहिया)

प्रदेश के अन्य जिलों में ताबड़तोड़ एक्शन

विभाग की टीमों ने प्रदेश के अलग-अलग संवेदनशील इलाकों में दबिश देकर भारी मात्रा में अवैध शराब और उपकरण नष्ट किए हैः

बांसवाड़ाः भापोर, सिंहपुर और कुशलगढ़ में दबिश देकर 3000 लीटर वॉश व 2 भट्टियां नष्ट कीं। मौके से 108 लीटर अवैध हथकड़ शराब बरामद कर 6 मामले दर्ज किए।

जयपुरः चाकसू और चौमूं के सीतापुरा, बगड़गिया, ढूंढ नदी, त्रिलोकपुरा आदि इलाकों में 200 लीटर वॉश व उपकरण नष्ट किए। 23 लीटर हथकड़ शराब जब्त कर पूर्व में फरार 4 आरोपियों को पकड़ा।

डूंगरपुरः सागवाड़ा के कडाना डेम बैकवाटर क्षेत्र (बुझावाड़ा टापू) में 3500 लीटर वॉश नष्ट कर 60 लीटर हथकड़ शराब पकड़ी। वहीं, एक ईको कार से किंगफिशर बीयर की 72 बोतलें और अंग्रेजी शराब बरामद कर एक आरोपी को पकड़ा।

चित्तौड़गढ़ः संवेदनशील कंजर बस्ती (पिपलिया) में बड़ी कार्रवाई करते हुए 3000 लीटर वॉश और 8 पुरानी भट्टियों को नष्ट किया गया।

अलवरः रामगढ़ थाना क्षेत्र में 5000 लीटर वॉश और 6 भट्टियां नष्ट की गईं। 130 लीटर हथकड़ शराब और 20 लीटर स्प्रिट बरामद कर 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। धौलपुरः एक बाइक सहित बीयर व देशी शराब के पव्वे जब्त कर मामला दर्ज किया गया।

जीरो टॉलरेंस की नीतिः

आबकारी विभाग के अनुसार, पूरे प्रदेश में सभी अतिरिक्त आबकारी आयुक्त, उपायुक्त, जिला अधिकारी और निरोधक दल अवैध मदिरा के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत काम कर रहे हैं। माफियाओं के खिलाफ यह सघन गश्त और दबिश की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

पुलिस मित्र संगठन, नई दिल्ली भारत की जिला इकाई भीलवाड़ा द्वारा आज राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री के नाम एक विस्तृत ज्ञापन प्रेषित कर पुलिस विभाग में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया गया। ज्ञापन में पुलिसकर्मियों के बढ़ते मानसिक तनाव, अवसाद, आत्महत्या की घटनाओं एवं पारिवारिक विघटन जैसी समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से योग, ध्यान, मनोवैज्ञानिक परामर्श, काउंसलिंग एवं समय-समय पर मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण जैसी योजनाएं लागू करने की मांग की गई।

ज्ञापन में बताया गया कि पुलिस सेवा अत्यधिक तनावपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण कार्य क्षेत्र है, जहां लंबे समय तक ड्यूटी, सामाजिक दबाव, अपराध नियंत्रण की जिम्मेदारी, पारिवारिक दूरी, अपर्याप्त अवकाश एवं संसाधनों की कमी के कारण अनेक पुलिसकर्मी मानसिक अवसाद, चिंता विकार), अनिद्रा एवं मानसिक थकान जैसी गंभीर समस्याओं से ग्रसित हो रहे हैं। ज्ञापन में कहा गया कि मानसिक रूप से अस्वस्थ पुलिसकर्मी न केवल स्वयं प्रभावित होता है, बल्कि उसकी कार्यक्षमता, निर्णय क्षमता एवं पारिवारिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

संगठन ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को गरिमामय जीवन एवं मानसिक स्वास्थ्य का अधिकार प्राप्त है तथा राज्य का यह दायित्व है कि वह अपने कर्मचारियों को सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराए। ज्ञापन में पुलिसकर्मियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देने की मांग भी की गई।

ज्ञापन में पुलिस विभाग हेतु कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए, जिनमें प्रत्येक पुलिस लाइन, थाना एवं जिला स्तर पर नियमित योग, प्राणायाम, मेडिटेशन एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना, ड्यूटी के घंटों में संतुलन एवं पर्याप्त अवकाश सुनिश्चित करना, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना तथा आत्महत्या रोकथाम हेल्पलाइन प्रारंभ करना प्रमुख रूप से शामिल हैं।

ज्ञापन में यह भी कहा गया कि पुलिसकर्मियों के पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन को सुदृढ़ बनाने हेतु समय-समय पर परिवार परामर्श शिविर एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, जिससे पुलिसकर्मियों को भावनात्मक सहयोग मिल सके। साथ ही विभागीय अधिकारियों को भी संवेदनशील एवं मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता बताई गई।

पुलिस मित्र संगठन ने मांग की कि राज्य सरकार द्वारा पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण हेतु नियमित मेडिकल जांच एवं 'मेंटली फिट पुलिस अभियान' प्रारंभ किया जाए, जिससे तनावग्रस्त पुलिसकर्मियों की समय रहते पहचान कर उनका उपचार एवं पुनर्वास सुनिश्चित किया जा सके। संगठन ने कहा कि स्वस्थ एवं मानसिक रूप से सशक्त पुलिस बल ही समाज में कानून व्यवस्था को प्रभावी रूप से बनाए रख सकता है।

इस अवसर पर एडवोकेट लक्ष्मी, एडवोकेट मुकेश शर्मा प्रदेश अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ, एडवोकेट मुकेश कुमार सुथार, गौरव गुर्जर, सोशल एक्टिविस्ट गोटू सिंह मंगलपुरा, एडवोकेट परीक्षित शर्मा, शरद कुमार शुक्ला, रिंकू तंवर, सचिन शर्मा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि सरकार द्वारा इस विषय पर गंभीरता से कार्य किया जाता है तो पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी तथा समाज में बेहतर कानून व्यवस्था स्थापित करने में सहायता मिलेगी। अंत में संगठन ने राज्य सरकार से पुलिस जवानों के मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण हेतु शीघ्र ठोस नीति बनाने की मांग की।

खाचरोल : खेतों में भीषण आग का तांडव: 50 बीघा क्षेत्र चपेट में, भीलवाड़ा से बुलाई गई फायर ब्रिगेड

स्मार्ट हलचल | मांडलगढ़

मांडलगढ़ क्षेत्र में बुधवार देर रात आग की एक बड़ी घटना ने ग्रामीणों के होश उड़ा दिए। खाचरोल और रासिंहपुरा गांवों के बीच स्थित खेतों में अचानक भीषण आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। करीब 50 बीघा क्षेत्रफल में फैली इस आग के कारण पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला और पुलिस प्रशासन मौके पर पहुँचा। कड़ी मशक्कत के बाद देर रात करीब 1:00 बजे आग पर काबू पाया जा सका।

सूखी घास और हवा ने बढ़ाई मुश्किल

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, खेतों में सूखी घास और मेड़ पर सूखी लकड़ियां होने के कारण आग बिजली की गति से फैली। तेज़ हवा के प्रभाव ने आग को बुझाना और भी चुनौतीपूर्ण बना दिया। मांडलगढ़ नगर पालिका की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुँची, लेकिन आग की भयावहता को देखते हुए वह नाकाफी साबित हुई। इसके बाद तुरंत भीलवाड़ा से फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को बुलाया गया, जिसके बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका।

प्रशासनिक अमला रहा मुस्तैद

घटना की गंभीरता को देखते हुए उपखंड अधिकारी, तहसीलदार वसंत कुमार, पटवारी ललित कुमार शर्मा सहित पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी रात में ही मौके पर पहुँच गए थे। अधिकारियों ने ग्रामीणों के सहयोग से राहत कार्यों की निगरानी की।

जीव-जंतु और वनस्पति को नुकसान

गनीमत रही कि इस अग्निकांड में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन आग की लपटों ने पर्यावरण को भारी नुकसान पहुँचाया है। खेतों में लगे छोटे पेड़-पौधे पूरी तरह जलकर राख हो गए और घास में रहने वाले छोटे जीव-जंतु भी इसकी चपेट में आ गए। फिलहाल आग लगने के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है।

तेज अंधड़ से धराशाई हुए विद्युत लाइन के दो पोल टूटे, बिजली व्यवस्था चरमराई

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

बुधवार रात्रि को तेज अधंड़ के कारण रायला से मेघरास की और आने वाली 33 केवी लाइन के दो पोल टुटे। जिसके कारण मेघरास झातंल तथा डाबला ग्रिड से जुडे फिडर्स की विधुत आपुर्ति ठप्प हो गई ।

सादास से मेघरास के बिच बुधवार को आए तेज अधंड़ के कारण 33 केवी विधुत लाइन के दो पोल (ट्रांसफार्मर) के टुट जाने के कारण जीएसएस मेघरास झातंल तथा डाबला ग्रिड से जुडे फिडर्स की विधुत आपुर्ति ठप्प हो गई। बाद में झातंल तथा डाबला ग्रिड की सप्लाई को तो वैकल्पिक व्यवस्था से चालू कर दिया गया है। मगर मेघरास फिडर्स से जुडे विधुत उपभोक्ताओं को पुरी अंधेरे में बितानी पडी। गुरुवार सुबह से विधुत विभाग के कर्मचारियों ने बंद लाइन को शुरू करने के प्रयास शुरू किए दिनभर के अथक प्रयासों के बाद गुरुवार सायं करीब पौने चार बजे मेघरास जीएसएस की विधुत आपुर्ति सुचारू होने पर उपभोक्ताओं को राहत मिली।

अवकाश छीनने की तैयारी पर भड़के शिक्षक, शाहपुरा में गरजी शिक्षकों की हुंकार

नौकरशाही के खिलाफ सड़कों पर उतरा शिक्षक वर्ग, चेतावनीकअब आर-पार की लड़ाई होगी

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। प्रदेशभर में शिक्षकों की उपेक्षा और लंबित मांगों को लेकर गुरुवार को शाहपुरा में शिक्षकों का गुस्सा खुलकर सड़कों पर दिखाई दिया। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राज-स्थान (विद्यालय शिक्षा) के बैनर तले सैकड़ों शिक्षक एकजुट होकर शाहपुरा की सड़कों पर उतर आए और सरकार व नौकरशाही के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष महेश कुमार शर्मा और खंड अध्यक्ष अमर सिंह चैहान के नेतृत्व में निकाली गई आक्रोश रैली ने पूरे शहर का माहौल गर्मा दिया।

हाथों में तख्तियां और मांगों से जुड़े बैनर लिए शिक्षकों ने 'शिक्षक विरोधी नीति बंद करो ', 'गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्ति दो' और 'अवकाशों से छेड़छाड़ बंद करो' जैसे नारों से प्रशासनिक गलियारों को गूंजा दिया। रैली के बाद शिक्षक उपखंड कार्यालय पहुंचे, जहां उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी लंबित मांगों का जल्द समाधान करने की मांग की गई।

महासंघ पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के बजाय शिक्षकों पर लगातार अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। ज्ञापन में ग्रीष्मावकाश सहित समस्त अवकाश यथावत रखने, तृतीय वेतन श्रृंखला सहित सभी संवर्गों के लंबित स्थानांतरण करने, तृतीय श्रेणी शिक्षकों की पदोन्नतियां शीघ्र जारी करने और क्रमोन्नत विद्यालयों में वित्तीय स्वीकृति देकर स्टाफिंग पैटर्न के अनुसार पद-स्थापन करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई।

इसके अलावा शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने, आरजीएचएस योजना को सुचारू रखने, वेतन विसंगतियां दूर करने तथा पंचायत सहायक संविदा शिक्षकों को नियमित करने की मांग भी जोरदार तरीके से उठाई गई।

महासंघ नेताओं ने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन अब और उग्र होगा। 29 मई को जिला स्तर पर बड़ा प्रदर्शन, 5 जून को बीकानेर निदेशालय पर संभाग स्तरीय धरना तथा 10 जून को जयपुर संभाग पर विशाल प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रदर्शन में संभाग महिला मंत्री इंदिरा धूपिया, जिला कोषाध्यक्ष मुकेश कुमावत, जिला महिला संगठन मंत्री प्रिया सोनी, जिला मीडिया प्रभारी हनुमान प्रसाद शर्मा, पूर्व जिला संगठन मंत्री शिवचरण शर्मा, खंड मंत्री राकेश सोनी, शांति धाबाई, नयन बुला, मोहनलाल कोली, लोकेश धाभाई, अशोक सुथार, सुधीर शर्मा, मनोज सोनी, हरिनिवास खारोल, नवरत्नमल बगड़िया, संजय त्रिपाठी, पंकज सोनगरा, राहुल दाधीच, शिवराज धाकड़, कुलदीप कलाल, हरिओम शर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

नरेगा कार्य बंद, मजदूरी अटकी तो महिलाओं का फूटा गुस्सा

पंचायत भवन के बाहर धरने पर बैठीं

स्मार्ट हलचल

ग्राम पंचायत शक्करगढ़ में नरेगा कार्य लंबे समय से बंद होने और मजदूरी नहीं मिलने से परेशान महिलाओं का गुरुवार को गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में महिलाएं पंचायत भवन पहुंचीं, लेकिन वहां कनिष्ठ लिपिक (नरेगा सचिव) के मौजूद नहीं होने पर नाराज महिलाएं पंचायत भवन के बाहर धरने पर बैठ गईं और जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

महिलाओं ने बताया कि गांव में लंबे समय से नरेगा के तहत कोई कार्य नहीं चल रहा है, जिससे उन्हें रोजगार नहीं मिल पा रहा। मजदूरी बंद होने से परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि मजदूरी भुगतान, जॉब कार्ड और अन्य जरूरी कार्यों को लेकर वे कई दिनों से पंचायत के चक्कर काट रही हैं, लेकिन जिम्मेदार कर्मचारी समय पर नहीं आने से उनके काम लगातार अटके हुए हैं।

ग्रामीण महिलाओं का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद उनकी सुनवाई नहीं हो रही। इससे आर्थिक तंगी के साथ मानसिक परेशानी भी बढ़ती जा रही है। महिलाओं ने प्रशासन से पंचायत कार्यालय में कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, नरेगा कार्य तत्काल शुरू कराने और लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करने की मांग की है।

शिक्षकों की कमी के बावजूद मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

12वीं का परिणाम रहा 85.71%

स्मार्ट हलचल | मांडलगढ़

स्थानीय स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 की कक्षा 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विद्यालय का कुल परीक्षा परिणाम 8 5.71 प्रतिशत रहा। खास बात यह है कि पिछले कुछ वर्षों से स्कूल में व्याख्याताओं के अधिकांश पद रिक्त होने के बावजूद विद्यार्थियों और शिक्षकों की कड़ी मेहनत ने यह शानदार मुकाम हासिल किया है।

गोविंद ने पाया पहला स्थान, 13 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से पास

विद्यालय के शानदार परीक्षा परिणाम के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि इस वर्ष कक्षा 12 की परीक्षा में कुल 21 विद्यार्थी शामिल हुए थे। इनमें से 13 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी और 5 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। विद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोविंद धाकड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं, जयसिंह पवार ने द्वितीय और श्रेयांश जैन ने तृतीय स्थान हासिल कर स्कूल का नाम रोशन किया।

प्रार्थना सभा में गूंजी तालियां, दी गई शुभकामनाएं

शानदार परीक्षा परिणाम आने के बाद विद्यालय परिसर में हर्ष और उत्साह का माहौल है। प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह राणावत ने विद्यालय की प्रार्थना सभा में सभी सफल विद्यार्थियों और शिक्षकों को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

प्रधानाचार्य राणावत ने कहा कि व्याख्याताओं के पद रिक्त होने जैसी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अध्यापकों के समर्पण और बच्चों की लगन ने यह उत्कृष्ट परिणाम दिया है। उन्होंने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके साथ ही विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति (एसडीएमसी) के सदस्यों ने भी बच्चों के बेहतरीन प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए उन्हें आगामी भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

500 किमी पीछा कर एमपी से पकड़ा गया शातिर चोर, बैंक से निकले ग्रामीण के 1.50 लाख किए थे पार

स्मार्ट हलचल | कोटड़ी (भीलवाड़ा)।

जिले की कोटड़ी थाना पुलिस ने चोरी की एक बड़ी वारदात का पर्दाफाश करते हुए एक अंतरराज्यीय शातिर बदमाश को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने कस्बे में सब्जी खरीदने रुके एक ग्रामीण की मोटरसाइकिल से 1,50,000 रुपये की नकदी से भरा बैग पार कर लिया था। पुलिस की विशेष टीम ने पारंपरिक पुलिसिंग और आसूचना संकलन के दम पर इस शातिर चोर का करीब 500 किलोमीटर तक पीछा किया और उसे दबोच लिया।

बैंकों के बाहर रैकी कर ग्रामीणों को बनाता था निशाना

पुलिस जांच में सामने आया है कि यह बदमाश बेहद शातिर किस्म का है। वह मुख्य रूप से बैंकों के बाहर घात लगाकर बैठता था और वहां से नकदी निकालकर निकलने वाले सीधे-सादे ग्रामीणों की रैकी करता था। मौका मिलते ही वह उनका रुपयों से भरा बैग पार कर रफूचक्कर हो जाता था।

क्या था पूरा मामला?

घटना 17 अप्रैल 2026 की है। हाजिवास (थाना कोटड़ी) निवासी 56 वर्षीय पुषा लाल जाट ने पुलिस को रिपोर्ट दी थी कि वह एसबीआई (रूढ़) बैंक की कोटड़ी शाखा से 1,50,000 रुपये निकालकर मोटरसाइकिल से घर जा रहा था। रास्ते में कोटड़ी पुराने बस स्टैंड (मंशा चौराहा) पर वह एक ठेले पर सब्जी खरीदने के लिए रुका। इसी दौरान पीछे से आए एक अज्ञात बदमाश ने उसकी बाइक पर रखा रुपयों से भरा बैग पार कर लिया। पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

500 किमी का पीछा और एमपी से गिरफ्तारी

भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह यादव के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शाहपुरा) राजेश आर्य और वृताधिकारी (कोटड़ी) सुरेश डाबरिया के सुपरविजन में कोटड़ी थानाधिकारी महावीर प्रसाद के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

टीम ने घटनास्थल के आस-पास कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए और मुखबिरों की मदद से आरोपी की पहचान की। इसके बाद पुलिस टीम ने 500 किलोमीटर तक पीछा करते हुए मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में दबिश दी। पुलिस ने सुमित सिसोदिया (21) पुत्र कुंदन सिंह (निवासी ग्राम कड़िया सांसी, थाना बोड़ा, जिला राजगढ़, मध्य प्रदेश) को दस्तयाब कर लिया। मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। फिलहाल पुलिस आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीमः

थानाधिकारी महावीर प्रसाद (पुलिस निरीक्षक)

एएसआई कैलाश चन्द्र (विशेष योगदान)

कांस्टेबल अर्जुन राम (विशेष योगदान)

कांस्टेबल मोती राम

दुकान में लगी आग, दो घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

स्मार्ट हलचल | मांडल

कस्बे के प्रताप नगर क्षेत्र में गुरुवार को एक दुकान में अचानक आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग कस्बा निवासी विशाल आगाल की दुकान में लगी, जिससे दुकान में रखा हजारों रुपए का सामान जलकर राख हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन आग तेजी से फैलने लगी। सूचना मिलने पर अग्निशमन दमकल मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और आग लगी दुकान का मुआयना किया। फिलहाल आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। गनीमत रही कि समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिया गया, जिससे आसपास की अन्य दुकानों और मकानों को नुकसान होने से बचा लिया गया।

सरकार ग्रीष्मावकाश बहाली, पदोन्नति सहित सभी मांगों को माने अन्यथा बड़ा आंदोलन होगा

स्मार्ट हलचल

भगवानपुरा। सरकार संवेदनशीलता से ग्रीष्मावकाश बहाली सहित शिक्षकों की मांगों को स्वीकार कर निर्णय करें अन्यथा अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (विद्यालय शिक्षा) राज-स्थान द्वारा आंदोलन को और तीव्र किया जायेगा । उक्त विचार गुरुवार को मांडल खंड के सांकेतिक धरने को संबोधित करते हुए जिलामंत्री ईश्वर सिंह चौधरी ने उपस्थित शिक्षक साथियो के समक्ष व्यक्त किये। यह जानकारी देते हुए खंड अध्यक्ष उदय शंकर सोनी ने बताया कि शिक्षा, शिक्षक और शिक्षार्थी के हित में अपने मांग पत्र को लेकर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ विद्यालय शिक्षा राजस्थान ने आंदोलन का शंखनाद कर दिया है,इसी संदर्भ में उपखंड मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों को लेकर आज का ज्ञापन जिला महामंत्री ईश्वर सिंह चौधरी उदय शकर सोनी,रमेश चंद्र बलाई चैनसुख टेलर व जिला मिडिया सह प्रभारी कैलाश चन्द्र शर्मा के नेतृत्व में माननीय मुख्यमंत्री महोदय राजस्थान सरकार के नाम उपखंड अधिकारी महोदया मांडल को दिया गया जिसमें ग्रीष्मावकाश जो उच्च शिक्षा में 60 दिन नवोदय विद्यालय में 56 दिन केंद्रीय विद्यालय में 61 दिन है जबकि राजस्थान में केवल 45 दिन था जिसे घटाकर 35 दिन कर दिया गया है जिससे शिक्षक वर्ग आक्रोशित हैं धरने को संबोधित करते हुए अध्यक्ष उदय शंकर सोनी ने कहा कि तृतीय श्रेणी शिक्षकों के 8 वर्षों से स्थानांतरण नहीं कर दुरुस्थ बैठे शिक्षकों के परिवारों को प्रताड़ना दी जा रही है और इन्हें पदोन्नति से भी वंचित किया जा रहा है इन शिक्षकों के सारे रास्ते अभी बंद हैं अतः इन्हें राहत देने, प्रधानाचार्य एवं उप प्रधानाचार्य कि अभी तक काउंसलिंग नहीं हुई है जिससे विद्यालय प्रभावित हो रहे हैं संविदा शिक्षकों का नियमितीकरण करना, शारीरिक शिक्षकों का स्थाईकरण करना व पुराने शाशि की पदोन्नति करने, कंप्यूटर शिक्षक का पद नाम एवं वेतन संशोधन करना शिक्षक करने एवं गैर शैक्षणिक कार्य से मुक्त करना , नवाचार के नाम पर शिक्षा का विनाश करने से रोकना , स्टाफिंग पैटर्न तुरंत लागू करना, 2019 से में क्रमोन्नत हुए विद्यालयों में पद एवं वित्तीय स्वीकृति जारी करने , प्रबोधकों एवं अध्यापकों की वेतन विसंगति का निस्तारण करने , प्रबोधको की पुरानी सेवा की गणना , नव पदोन्नत व्याख्याताओं को गृह जिले में रिक्त पदों पर परिवेदना लेकर नियुक्त करने, आरजीएचएस योजना के अंतर्गत सभी कर्मचारियों को राहत प्रदान की जाए, आरटीई से पूर्व लगे शिक्षक वर्ग को टेट परीक्षा से मुक्त करने , सामाजिक विज्ञान में पदोन्नति के अवसर उपलब्ध करने एवं ऑनलाइन कार्य बंद करने सहित मांगों को विस्तार से रखा। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान(विद्यालय शिक्षा) के प्रदेश स्तरीय आव्हान पर खंड माण्डल (भीलवाड़ा) के सभी शिक्षकों द्वारा शिक्षा व शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर सरकार का ध्यान आकृष्ट किया जाने के लिए उपखण्ड अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को दिए जाने वाले ज्ञापन एवं रैली कार्यक्रम हेतु आज इस भीषण गर्मी में आप सभी शिक्षक साथियों द्वारा भारी संख्या में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाया गया जिसके लिए खंड कार्यकारिणी एवं समस्त पदाधिकारी आपका हृदय से आभार प्रकट करते है,एवं किसी कारणवश जो साथी नहीं पहुंच पाए उनसे भी आग्रह है कि आने वाले समय में पधारकर अपने संगठन को और अपनी जायज मांगो को सरकार से मनवाने हेतु सतत् सहयोग करते रहे। सभी शिक्षक साथी आगामी कार्यक्रम में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखे। आज के कार्यक्रम में दिनेश चन्द्र जोशी शिवलाल कलाल, पवन भट्ट, दलीचंद खटीक, सुरेंद्र टेलर, सत्यनारायण माली, गोपाल लाल प्रजापति ,दिनेश चंद्र तिवारी, मुकेश सोनी, मदनलाल खटीक, मोहित सुवालका, देवराज जाट लक्ष्मी जोशी, .पिंकी शर्मा सहित सेकड़ो साथी शिक्षक ज्ञापन के समय मौजूद थे।

मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज का सामूहिक विवाह, सम्मेलन 11 फरवरी 2027 को

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज द्वारा निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन आगामी 11 फरवरी 2027 को रायपुर तहसील के देवरिया ग्राम में किया जाएगा। सम्मेलन में 11 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न कराने का निर्णय लिया गया है। समाज के कोषाध्यक्ष शंभुदयाल कड़ेल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन स्वर्गीय धनराज जी डसानिया की स्मृति में उनके सुपुत्र राजमल-सावित्री देवी, भरत-सोनू देवी एवं कमलेश-शिवानी के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में वर-वधु पक्ष से किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सम्मेलन की तैयारियों एवं सफल आयोजन को लेकर आगामी 17 जून रविवार को ग्राम देवरिया में तहसील एवं जिला स्तर के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में सम्मेलन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं समाज की भागीदारी को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

'श्रीमद् भागवत मृत्यु को उत्सव बनाने का अनूठा ग्रंथ' - संत दिग्विजयराम

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

भागवत मर्मज्ञ युवा संत दिग्विजयराम ने कहा कि 18 पुराणों में श्रीमद् भागवत ही ऐसा महापुराण है, जो मृत्यु को भी उत्सव बनाना सिखाता है। जिसके माध्यम से राजा परीक्षित को मात्र सात दिवस में ही मोक्ष प्राप्ति संभव हो सकी। संत दिग्विजयराम गुरुवार को सोनी परिवार द्वारा कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के द्वितीय दिवस पर व्यासपीठ से श्रीमद् भागवत महापुराण का रसामृतपान करा रहे थे। उन्होंने भागवत के मंगलाचरण में नैमिषारण्य तीर्थ पर सूत जी द्वारा 88 हजार ऋषियों को भागवत श्रवण कराने तथा ऋषियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर बताते हुए कहा कि भगवान की भक्ति ही जीवन कल्याण का सच्चा मार्ग है और भक्ति भी अहेतु अर्थात निष्काम होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ईश्वर के प्रति दृढ़ विश्वास के अभाव में व्यक्ति सदैव दुखी रहता है।

संत दिग्विजयराम ने कहा कि प्रभु के प्रति प्रेम भावना लेकर शरणागति भाव से मंदिर में जाना चाहिए। उन्होंने मतंग ऋषि की शबर कन्या भक्तिमति शबरी जैसी प्रतीक्षा एवं मीरा जैसी प्रेम भक्ति को अपनाने का आह्वान किया। कथा के दौरान जब व्यासपीठ से 'मेरी झोपड़ी के भाग खुल जाएंगे' भजन की प्रस्तुति हुई तो श्रद्धालु राम भक्ति में सराबोर हो उठे। उन्होंने कहा कि जीवन में कैसा भी कष्ट क्यों न हो, लेकिन भक्ति कभी नहीं छोड़नी चाहिए। नरसी भगत, सुदामा, शबरी एवं मीरा ने भक्ति के माध्यम से ही भगवान को प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि जीवन में नवधा भक्ति के माध्यम से ही आनंद की प्राप्ति संभव है। वहीं हमें तार देने वाले तीर्थों पर स्नान करने से जो लाभ प्राप्त होता है, उतना ही फल प्रभु के राम नाम के स्मरण से भी प्राप्त किया जा सकता है। इसलिए नाम आश्रय को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

संत दिग्विजयराम ने श्रीमद् भागवत की उत्पत्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि वेदव्यास द्वारा 17 पुराणों की रचना के बाद भी संतुष्टि नहीं मिलने पर नारद मुनि के मार्गदर्शन में 18 वें महापुराण के रूप में श्रीमद् भागवत की रचना की गई, जिसने संसार को मोक्ष एवं मुक्ति का मार्ग प्रदान करने का अनूठा कार्य किया। उन्होंने नारद मुनि के पूर्व जन्म में दासी पुत्र होने का उल्लेख करते हुए कहा कि संतों का सानिध्य करने से ही उन्हें नारद स्वरूप प्राप्त हो सका। वहीं कुंती प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से ही उत्तरा के गर्भ से राजा परीक्षित का जन्म हुआ, जिससे भागवत में उनका महत्व समस्त संसार के कल्याण से जुड़ा हुआ है।

संत ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति प्रभु से सुख मांगता है, लेकिन माता कुंती ने भगवान श्रीकृष्ण से संसार का दुख मांगकर सदैव प्रभु के प्रेमाश्रय में बने रहने का वरदान मांगा था। उन्होंने भीष्म पितामह प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान प्राप्त था तथा भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष चरण भक्ति मांगने पर उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई। उन्होंने बताया कि कलयुग को पांच स्थान प्रदान किए गए हैं, जिनमें जुआ, मदिरा, वासना, कसाई और स्वर्ण प्रमुख हैं। जो भी इनके संपर्क में आता है, वह जीवन में निराशा ही प्राप्त करता है।

संत दिग्विजयराम ने सनातन धर्म से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि जाति-पाति के भेदभाव से ऊपर उठकर यदि सभी हिन्दू एकजुट हो जाएं तो धर्म एवं संस्कृति की जागरूकता में कोई कमी नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि हमें शास्त्र और शस्त्र दोनों को स्वीकार करना होगा, तभी भारतीय संस्कृति सुरक्षित एवं संरक्षित रह पाएगी। प्रारंभ में सोनी परिवार द्वारा व्यासपीठ का पूजन किया गया, जबकि संत दिग्विजयराम द्वारा कल्याण नगरी के राजाधिराज एवं मुख्य श्रोता ठाकुर जी श्री कल्लाजी की पूजा-अर्चना की गई। कथा के द्वितीय दिवस के विश्राम पर सोनी परिवार एवं श्रद्धालुओं द्वारा व्यासपीठ की महाआरती की गई।

आज होंगे ध्रुव चरित्र एवं अजामिल उपाख्यान के प्रसंग

कथा महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार को संत दिग्विजयराम द्वारा ध्रुव चरित्र, जड़ भरत कथा एवं अजामिल उपाख्यान सहित विभिन्न धार्मिक प्रसंगों एवं अनुष्ठानों पर विस्तृत व्याख्यान दिया जाएगा।

कॉरपोरेट प्रीमियर लीग सीजन 2 की चैम्पियन बनी एचडीएफसी मेवाड़ रॉयल्स

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

ब्राह्मण प्रोफेशनल फाउंडेशन भीलवाड़ा के तत्वाधान में आयोजित कॉरपोरेट प्रीमियर लीग सीजन-2 के अंतिम दिन सेमीफाइनल और फाइनल खेले गए,आयोजन समिति के सी पी शर्मा और कुलदीप व्यास ने बताया कि पहला सेमीफाइनल एचडीएफसी मेवाड़ रॉयल्स और आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के बीच खेला गया, जिसमें आधार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में मात्र 81 रन का स्कोर बनाया जिसके जवाब में एचडीएफसी ने अजीत पाण्डेय के शानदार नाबाद 34 रन की मदद से 6.3 ओवर में आसानी से 8 विकेट से जीत दर्ज की, दूसरे सेमीफाइनल में आईसीआईसीआई एचएफसी हंटर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 113 रन बनाए, जिसके जवाब में डीएसए टाइटंस की टीम ने मात्र 7.3 ओवर में ही 5 विकेट शेष रहते आसानी से मैच जीत कर फाइनल में प्रवेश किया।

टूर्नामेंट का फाइनल मैच एचडीएफसी मेवाड़ रॉयल्स और डीएसए टाइटंस के बीच खेला गया, जिसमें टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 122 रन बनाए, लक्ष्य का पीछा करने उतरी एचडीएफसी टीम ने जितेंद्र धाबाई की तूफानी बल्लेबाजी मात्र 16 गेंद पर 45 रन की बदौलत एक ओवर शेष रहते लक्ष्य हासिल कर एचडीएफसी मेवाड़ रॉयल्स चैंपियन बने।

टूर्नामेंट के समापन पर विप्र सेना के दीपक सुल्तानिया, योगेश व्यास, आदित्य शर्मा,कुणाल ओझा, मानवेन्द्र कुमावत, आशीष उपाध्याय,शरद शुक्ला,केशव शर्मा,गोपाल पाण्डे ,महेश शर्मा ने चैम्पियंस टीम व रनर अप टीम को ट्रॉफी के साथ चेक प्रदान किया।

टूर्नामेंट के बेस्ट बैट्समैन और मैन ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड डीएसए टाइटंस के वैभव कोठारी को और बेस्ट बॉलर का अवॉर्ड आधार हाउसिंग फाइनेंस के अभिषेक को दिया गया।

शैक्षिक महासंघ ने विभिन्न मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान खण्ड चित्तौड़गढ़ द्वारा शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री एवं शिक्षामंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। खण्ड अध्यक्ष कालूलाल रायका ने बताया कि महासंघ की प्रदेश कार्यकारिणी के निर्णयानुसार प्रत्येक खण्ड स्तर पर शिक्षकों की समस्याओं एवं मांगों को लेकर ज्ञापन दिए जा रहे हैं। इसी क्रम में चित्तौड़गढ़ खण्ड में भी ज्ञापन सौंपा गया। चिलचिलाती धूप और तेज गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

जिला सभाध्यक्ष तेजपाल सिंह शक्तावत ने कहा कि महासंघ हमेशा शिक्षक हितों के लिए संघर्षरत रहा है तथा समय-समय पर शिक्षकों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाकर समाधान करवाया है। उन्होंने कहा कि संगठन आगे भी शिक्षक हितों के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। अतिरिक्त जिला मंत्री राजेंद्र कुमार गगरानी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने शिक्षकों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आगामी चरण में जिला एवं प्रदेश स्तर पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

खण्ड सभाध्यक्ष जोगेंद्र सिंह राणावत ने ज्ञापन पत्र का वाचन करते हुए बताया कि मांगपत्र में ग्रीष्मावकाश में कटौती नहीं करने, तृतीय श्रेणी सहित सभी संवर्गों के स्थानांतरण एवं पदोन्नति करने, स्टाफिंग पैटर्न लागू करने, आरजीएचएस में सुधार कर पुनः बहाल करने, पंचायत शिक्षकों सहित संविदा कर्मियों को नियमित करने, वेतन विसंगतियां दूर करने तथा शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने जैसी प्रमुख मांगें शामिल हैं। इसके अलावा शारीरिक शिक्षक भर्ती 2022 के कार्मिकों का स्थायीकरण एवं वेतन नियमितीकरण, एमजीजीएस की दूसरी सूची जारी करने, टीएसपी से नॉन टीएसपी में आए शिक्षकों को गृह जिले में भेजने तथा सीएसजी राशि सत्र प्रारंभ में जारी करने की मांग भी उठाई गई।

ज्ञापन सौंपने के दौरान शिक्षक-शिक्षिकाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी की। अंत में खण्ड मंत्री देवकीनंदन वैष्णव ने उपस्थित सभी साथियों का आभार व्यक्त किया।

अल्पेश गोस्वामी बने एनएसयूआई जिलाध्यक्ष

स्मार्ट हलचल|चित्तौड़गढ़

एनएसयूआई संगठन में छात्र राजनीति को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए जिले की कमान अल्पेश गोस्वामी को सौंपी गई है। संगठन महासचिव मुकेश नराणिया द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार अल्पेश गोस्वामी को एनएसयूआई का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। अल्पेश गोस्वामी वर्तमान में एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव एवं उदयपुर प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इससे पूर्व वे एनएसयूआई नगर अध्यक्ष के पद पर भी कार्य कर चुके हैं। जिलाध्यक्ष नियुक्त होने के बाद अल्पेश गोस्वामी ने एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। साथ ही पूर्व कैबिनेट मंत्री उदयलाल आंजना, निवर्तमान नगर परिषद सभापति संदीप शर्मा, डेयरी चेयरमैन बद्रीलाल जाट का भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजकीय कन्या महाविद्यालय बस्सी में लोकार्पण एवं भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित

स्मार्ट हलचल| बस्सी

राजकीय कन्या महाविद्यालय बस्सी में बुधवार को लोकार्पण एवं भामाशाह सम्मान समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, व्यापार, राजनीति, सामाजिक सेवा एवं जनसहभागिता का प्रेरक संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती शकुंतला नामधराणी उपस्थित रहीं, जबकि अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मनीषा बटवाल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व उपप्रधान सीपी नामधराणी, रामगोपाल ओझा, रमेश जागेटिया, गोपाल गदिया, राजाराम चेचानी, पूर्व सरपंच सोहनलाल खटीक, सुनील माली, रामस्वरूप पुरोहित एवं विशाल पवार मौजूद रहे। सभी अतिथियों का महाविद्यालय परिवार द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

अपने स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. मनीषा बटवाल ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज के विकास की आधारशिला होती है तथा राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बस्सी निवासी भामाशाह श्रीमती शकुंतला नामधराणी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि समाज के सहयोग से ही शैक्षणिक संस्थानों का समग्र विकास संभव है।

पूर्व उपप्रधान सीपी नामधराणी ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए शिक्षा के माध्यम से अपने लक्ष्य हासिल कर देश एवं प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। वहीं शिक्षाविद रामगोपाल ओझा एवं रमेश जागेटिया ने भी छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा संस्थानों के विकास में समाज के जागरूक नागरिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

इस अवसर पर श्रीमती शकुंतला नामधराणी द्वारा अपने स्वर्गीय पति सत्यनारायण नामधराणी की स्मृति में महाविद्यालय परिसर में लगाए गए वाटर कूलर एवं आरओ प्लांट का फीता काटकर लोकार्पण किया गया। इस सुविधा से छात्राओं को गर्मी के मौसम में शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य डॉ. गोपाल सालवी ने किया तथा भामाशाह के योगदान की सराहना की। अंत में डॉ. पूर्वा दशोरा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस दौरान डॉ. विनोद श्रीमाली, डॉ. कुसुम टेपन, मोहित कारवाल, कार्यालय प्रभारी जुल्फिकार अली कुरेशी, रामेश्वर लाल शर्मा, सत्यनारायण उपाध्याय, शब्बीर अली, उमा बैरागी, प्राची काकानी, शीतल कंवर, प्रतिभा बैरागी, जहीरा कुरैशी, मेना मीणा, रवीना मीणा सहित कई छात्राएं उपस्थित रहीं।

मशकूर अहमद आसींद और महावीर प्रसाद गुलाबपुरा के नगर अध्यक्ष मनोनीत

स्मार्ट हलचल | आसीन्द

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आसींद विधानसभा क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। रविवार को जारी आदेश के अनुसार, आसींद नगर अध्यक्ष सेवानिवृत्त शिक्षक मशकूर अहमद शेख को नियुक्त किया गया है, वहीं गुलाबपुरा नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी महावीर प्रसाद लड्ढा को दी गई है। इन नियुक्तियों की घोषणा के बाद से ही क्षेत्र के कांग्रेस में हर्ष का माहौल है। नव नियुक्त पदाधिकारी ने संगठन के प्रति निष्ठावान होकर कार्य कर क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का उच्च पदाधिकारी को आश्वस्त कराया।

सेहत से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, सीएमएचओ डॉ. गहलोत ने फल व्यापारियों को दिए सुरक्षित विधि अपनाने के निर्देश

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। आमजन के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत ने फलों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए उपयोग किए जा रहे खतरनाक रसायनों के प्रति अलर्ट जारी किया है। डॉ. गहलोत ने बताया कि बाजार में कुछ विक्रेताओं द्वारा फलों को जल्दी पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड का उपयोग किया जा रहा है, जो कि स्वस्थ्य द्वारा पूर्णतः प्रतिबंधित है।

जहर के समान है कार्बाइड गैस:

कार्बाइड से निकलने वाली एसीटिलीन गैस में आर्सेनिक और फॉस्फोरस जैसे जहरीले तत्व होते हैं। इसके सेवन से आमजन को चक्कर आना, उल्टी, त्वचा रोग, गले में जलन और सांस लेने में तकलीफ जैसी गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है।

केवल एथिलीन गैस के उपयोग की अनुमतिः

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि केवल एथिलीन गैस या एथेफोन सैशे का उपयोग ही सुरक्षित और मानक माना गया है। यह विधि फलों को प्राकृतिक तरीके से पकने में मदद करती है और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं है।

दोषियों पर होगी कठोर कार्रवाईः

डॉ. गहलोत ने जिले के सभी फल व्यापारियों, थोक विक्रेताओं और मंडी संचालकों को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे केवल अनुमोदित विधियों का ही पालन करें। उन्होंने खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे मंडियों और दुकानों का नियमित निरीक्षण करें। यदि कहीं भी प्रतिबंधित कार्बाइड का उपयोग पाया जाता है, तो संबंधित विक्रेता के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

आमजन के लिए सलाहः

फल हमेशा विश्वसनीय दुकानों से ही खरीदें।

अत्यधिक चमकीले या असामान्य रंग वाले फलों के प्रति सतर्क रहें। फलों को खाने से पहले साफ़ पानी से अच्छी तरह धोना न भूलें। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे जागरूक बनें और किसी भी संदिग्ध मिलावट या रासायनिक छिड़काव की जानकारी विभाग को दें।

अंधड से गिरे विद्युत के पोल

स्मार्ट हलचल | जुरहरा

जिला डीग रेखचन्द्र भारद्वाजः बुधवार की देर शाम जुरहरा कस्बा सहित ग्रामीण अंचल में आए तेज अंधड से कई विद्युत पर पोल गिर गए जिससे जुरहरा फीडर से जुड़े कस्बा जुरहरा सहित कई गांवों की विद्युत आपूर्ति ठप्प हो गई। जो गुरुवार की रात्रि 9:00 बजे समाचार लिखे जाने तक चालू नहीं हो पाई। करीब 26 घण्टे तक बिजली सप्लाई नहीं आने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और भीषण गर्मी में आमजन को पानी की किल्लत झेलनी पड़ी। क़स्बे में हैंडपंपों पर पीने के पानी के लिए महिलाओं की भारी भीड़ बनी रही। बिजली कर्मचारी गुरुवार को पूरे दिन विद्युत पोलों व लाइन को दुरुस्त करने में लगे रहे लेकिन गुरुवार देर रात्रि समय करीब 9 बजे तक बिजली सप्लाई चालू नहीं हो पाई।

कृषि भूमि पर निर्माण कम्पनी द्वारा कब्जा करने का आरोप

जिला कलेक्टर को दिया ज्ञापन

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

भैंसरोड़गढ़ निवासी एक व्यक्ति ने एक निर्माण कम्पनी पर उसकी कृषि भूमि में जबरन अनाधिकृत प्रवेश कर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

भैंसरोड़गढ़ निवासी सुरेश प्रजापत पुत्र गोपाल प्रजापत ने जिला कलेक्टर को दिए ज्ञापन में बताया कि रावतभाटा तहसील के ग्राम मदार चौक, पटवारी हल्का सणीता स्थित खाता संख्या 108, आराजी संख्या 11279 में 0.65 हेक्टेयर भूमि उसके दादा रामचन्द्र पुत्र शोबक्ष के नाम दर्ज है, जिसका वह वारिस है।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि एलएनटी कम्पनी द्वारा जल विभाग के वाटर पम्प निर्माण कार्य के दौरान उसकी कृषि भूमि पर जबरन प्रवेश किया गया। कम्पनी के कर्मचारियों ने भूमि पर लगे अधिरोपित पत्थरों को मशीनों से हटाकर तोड़फोड़ की तथा पत्थर निशानी एवं तारबंदी को भी नुकसान पहुंचाया।

प्रार्थी का आरोप है कि कम्पनी के अधिकारी उक्त भूमि को कम्पनी की संपत्ति बताते हुए उसे बेदखल करने का प्रयास कर रहे हैं। इस संबंध में उसने भैंसरोड़गढ़ थानाधिकारी को भी रिपोर्ट दी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सुरेश प्रजापत ने जिला कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष जांच कर कम्पनी के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

लाखेरी। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राजस्थान (विद्यालय शिक्षा)खंड इंद्रगढ़ द्वारा प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर गुरुवार को खण्ड स्तर पर खंड अध्यक्ष जोधराज मीणा के नेतृत्व में शिक्षकों की विभिन्न लंबित समस्याओं के समाधान हेतु माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय शिक्षा मंत्री, राजस्थान सरकार के नाम तहसीलदार इंद्रगढ़ को ज्ञापन सौंपा गया। महासंघ के खंड मंत्री कन्हैयालाल गोचर ने बताया कि राज्य के शिक्षकों को लंबे समय से अनेक प्रशासनिक एवं वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिससे शैक्षणिक कार्य भी प्रभावित हो रहा है। इन समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए संगठन लगातार प्रयासरत है। खंड कोषाध्यक्ष रेवड़ी लाल गुर्जर ने बताया कि खंड इंद्रगढ़ के सभी शिक्षक तहसील कार्यालय के बाहर एकत्र होकर वहां से रैली के रूप में नारे लगाते हुए हाथों में तख्तियां लेकर तहसील कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

पर्यवेक्षक व जिला कार्यकारिणी से जिला सह संगठन मंत्री नरेश मीणा ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा चरणबद्ध रूप से इस आंदोलन की शुरुआत की गई है प्रथम चरण में खंड स्तर पर ज्ञापन सौंपा गया है।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से निम्न मांगें रखी गई शिक्षकों को मिलने वाले ग्रीष्मावकाश सहित समस्त अवकाश यथावत रखे जाएं, शिविरा कलेंडर में सत्र 2026-27 में संशोधन किया जाए। द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण शीघ्र किए जाएं। लंबे समय से लंबित पदोन्नतियों को शीघ्र पूर्ण किया जाए। क्रमोन्नत विद्यालयों में पद स्वीकृत कर सेटअप के अनुसार पदस्थापन किया जाए।शिक्षकों की वेतन विसंगति आरजीएचएस सेवा को सुचारू रूप से बहाल किया जाए। संविदा शिक्षकों के नियमितीकरण एवं उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए। महासंघ ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो संगठन को जिला स्तर व प्रदेश स्तर पर आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इस अवसर पर संगठन पर्यवेक्षक व जिला कार्यकारिणी सदस्य नरेश मीणा,अध्यक्ष जोधराज मीणा, मंत्री कन्हैया लाल गोचर , महिला मंत्री सुनीता मीणा, महिला उपाध्यक्ष कविता आर्य, महिला अध्यापक प्रतिनिधि लवली मथुरिया, सीमा मीणा,खुशबू पंचोली,कोषाध्यक्ष रेवड़ी लाल गुर्जर,प्रधानाचार्य प्रतिनिधि प्रकाश चंद मीना, उपसभाध्यक्ष रेखवीर सिंह चौधरी , विद्या शंकर प्रजापत, व.अ.प्रतिनिधि भागीरथ मीणा, पंचायत समिति शिक्षक कपिल सागर चौधरी,शारिरिक शिक्षक प्रतिनिधि चंचल धनगर, कंप्यूटर शिक्षक प्रतिनिधि राहुल वर्मा, पंचायत शिक्षक प्रतिनिधि योगेश दत्त शर्मा, राकेश महला ,उपाध्यक्ष पुरुष सिराज अहमद,महासमिति सदस्य सत्येंद्र मालव, पूजा शर्मा, भावना पीलवाल, अनामिका, चाहन्या बाई ,ललिता शर्मा लक्ष्मी गर्ग, हेरंता मीणा, दीपिका जैन, अमन शर्मा, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दो वर्षों से टूटी पेयजल पाइपलाइन बनी जनसमस्या, लाखों लीटर पानी बहकर हो रहा बर्बाद

कदमाली नदी स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त, सड़क धंसने से बड़े हादसे की आशंका

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

निंबाहेड़ा नगर की पेयजल व्यवस्था से जुड़ी गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है, जहां कदमाली नदी पर स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से शहर को होने वाली पेयजल आपूर्ति की मुख्य पाइपलाइन पिछले लगभग दो वर्षों से टूटी हुई पड़ी है। पाइपलाइन से लगातार बह रहा पानी एक ओर जहां लाखों लीटर पेयजल की बर्बादी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर आसपास की कृषि भूमि एवं सड़क को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है।

जानकारी के अनुसार नीमच रोड स्थित क्षेत्र में रामचंद्र मेघवाल पिता शंकरलाल एवं कमलेश पिता भागीरथ की कृषि भूमि के सामने तथा दूसरी ओर कन्हैयालाल कुमावत की मशीन के पास यह पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो चुकी है। पाइपलाइन टूटने से लगभग डेढ़ इंच पानी लगातार बहकर खेतों में जा रहा है, जिससे किसानों की भूमि खराब होती जा रही है। खेतों में जलभराव की स्थिति बनने से कृषि कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पाइपलाइन से निरंतर बहते पानी के कारण सड़क के नीचे की मिट्टी भी बह चुकी है, जिससे सड़क कमजोर होकर क्षतिग्रस्त होने लगी है। क्षेत्रवासियों ने आशंका जताई है कि यदि शीघ्र मरम्मत नहीं करवाई गई तो कभी भी सड़क धंस सकती है और बड़ा हादसा हो सकता है। इस मार्ग से प्रतिदिन भारी वाहन, ट्रैक्टर एवं दोपहिया वाहन गुजरते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है।

ग्रामीणों एवं क्षेत्रवासियों द्वारा इस गंभीर समस्या को लेकर राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री, जिला कलेक्टर चित्तौड़गढ़, उपखंड अधिकारी निंबाहेड़ा, जलदाय विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं नगर परिषद निंबाहेड़ा को कई बार अवगत कराया जा चुका है। संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा हर बार शीघ्र मरम्मत कराने का आश्वासन दिया गया, लेकिन लगभग दो वर्ष बीत जाने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है।

क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि जनहित को देखते हुए टूटी पाइपलाइन की तत्काल मरम्मत करवाई जाए तथा सड़क को भी सुरक्षित रूप से पुनर्निर्मित कराया जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे एवं पेयजल की बर्बादी को रोका जा सके।

सामरिया में निर्माणाधीन 132 केवी जीएसएस पर उठे सवाल, घटिया निर्माण सामग्री व अनियमितताओं के आरोप से ग्रामीणों में रोष

कमजोर ईंटें, घटिया पत्थर, जंग लगे सरिये और बिना सूचना बोर्ड के निर्माण

स्मार्ट हलचल| सुनेल

क्षेत्र के सामरिया गांव में निर्माणाधीन 132 केवी ग्रिड सब स्टेशन का निर्माण कार्य इन दिनों विवादों में घिरता नजर आ रहा है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग, तकनीकी मानकों की अनदेखी तथा कई गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए प्रशासन से उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। मामले को लेकर गांव में आक्रोश का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि जीएसएस के निर्माण में गुणवत्ता का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा जा रहा। बेसमेंट निर्माण में कमजोर एवं निम्न गुणवत्ता वाले पत्थरों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे पूरी संरचना की मजबूती पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि जिस परियोजना से क्षेत्र की बिजली व्यवस्था मजबूत होनी है, उसी के निर्माण में लापरवाही बरती जा रही है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि भवन निर्माण में उपयोग की जा रही सीमेंट ईंटें बेहद घटिया गुणवत्ता की हैं। उनका कहना है कि ईंटें मामूली ऊंचाई से गिरने पर ही टूटकर बिखर जा रही हैं, वही सरिये भी जंग लगे उपयोग कर रहे हैं जिससे उनकी गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लोगों का कहना है कि इससे प्रतीत होता है कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता जांच प्रक्रिया भी संदेह के घेरे में है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य के दौरान तकनीकी मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण की अनदेखी की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इसी प्रकार लापरवाही जारी रही तो भविष्य में यह निर्माण कार्य सुरक्षा के लिहाज से खतरा बन सकता है।

मामले को लेकर ग्रामीणों ने एक और गंभीर आरोप लगाया है कि निर्माण स्थल पर बाल श्रमिकों से भी मजदूरी करवाई जा रही है। यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं तो यह श्रम कानूनों का सीधा उल्लंघन माना जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस पहलू की भी गंभीरता से जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण स्थल पर अब तक संवेदक द्वारा सूचना बोर्ड भी नहीं लगाया गया है। जबकि किसी भी सरकारी निर्माण कार्य में परियोजना लागत, निर्माण एजेंसी, कार्य अवधि और तकनीकी विवरण संबंधी सूचना बोर्ड लगाया जाना अनिवार्य होता है। सूचना बोर्ड नहीं होने से कार्य में पारदर्शिता पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों को मौखिक रूप से शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों में प्रशासन और संबंधित विभाग के प्रति नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच करवाई जाए, उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की लैब जांच हो तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित संवेदक और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी परियोजनाएं जनता के टैक्स के पैसे से तैयार होती हैं, इसलिए उनमें गुणवत्ता, पारदर्शिता और सुरक्षा मानकों का पालन होना बेहद जरूरी है। साथ ही बाल श्रम जैसी कुप्रथाओं पर रोक लगाना प्रशासन और समाज दोनों की जिम्मेदारी है।

ब्रिक्स 2026: भारत ने अस्थिर समय में समूह की 'रचनात्मक, स्थिर भूमिका' पर दिया जोर

स्मार्ट हलचल | नई दिल्ली

भारत की अध्यक्षता के तहत नई दिल्ली के भारत मंडपम में ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय उच्च स्तरीय बैठक शुरू हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर कर रहे हैं। इस दौरान अपने प्रारंभिक वक्तव्य में बोलते हुए डॉ. जयशंकर ने वैश्विक अनिश्चितता और आर्थिक चुनौतियों के बीच ब्रिक्स समूह द्वारा एक 'रचनात्मक और स्थिर भूमिका' निभाने की उम्मीद जताई।

विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार उन्होंने कहा हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जब अंतरराष्ट्रीय संबंधों में काफी उथल-पुथल मची हुई है। चल रहे संघर्ष, आर्थिक अनिश्चितताएं और व्यापार, तकनीक एवं जलवायु से जुड़ी चुनौतियां वैश्विक परिदृश्य को आकार दे रही हैं। विशेष रूप से उभरते बाजारों और विकासशील देशों से, यह उम्मीद बढ़ रही है कि ब्रिक्स एक रचनात्मक और स्थिर भूमिका निभाएगा। इस पृष्ठभूमि में, आज हमारी चर्चाएं वैश्विक और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विचार करने और अपने सहयोग को मजबूत करने के व्यावहारिक तरीकों पर सोचने का एक अवसर हैं। अध्यक्ष के तौर पर, मैं एक खुली और रचनात्मक बातचीत को बढ़ावा दूंगा।

डॉ. जयशंकर ने कहा कि विकास के मुद्दे केंद्र में बने हुए हैं। कई देश ऊर्जा, भोजन, उर्वरक और स्वास्थ्य सुरक्षा, साथ ही वित्त तक पहुंच के मामले में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ब्रिक्स उन्हें अधिक प्रभावी ढंग से जवाब देने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि आर्थिक लचीलापन भी महत्वपूर्ण है। भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाएं और विविध बाजार इसके जरूरी घटक हैं और हमें दोनों पर ध्यान देना चाहिए। वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर राष्ट्रीय वक्तव्य पेश करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान अंतरराष्ट्रीय संबंधों की नींव बना रहना चाहिए और संघर्षों को सुलझाने का एकमात्र स्थायी साधन संवाद एवं कूटनीति ही हैं। विदेश मंत्री ने कहा पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष विशेष ध्यान का हकदार है। लगातार बना तनाव, समुद्री यातायात के लिए जोखिम और ऊर्जा बुनियादी ढांचे में रुकावटें इस स्थिति की नाजुकता को उजागर करती हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर सहित अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों के माध्यम से सुरक्षित और अबाधित समुद्री प्रवाह वैश्विक आर्थिक कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना हुआ है। सीमा पार आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन करता है।

मनचलों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान मे बून्दी पुलिस की लगातार कार्यवाही

सादा वर्दी में तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने 22 असामाजिक तत्वों को किया गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| बूंदी

पुलिस मुख्यालय जयपुर के निर्देशानुसार तथा जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा के निर्देशन में जिले के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर चलाये जा रहे विशेष डिकॉय ऑपरेशन के क्रम में आज भी जिले में विभिन्न थाना क्षैत्रो में 22 असामाजिक तत्वो को गिरफ्तार किया गया ।

इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, बाजारों, पार्कों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं एवं छात्राओं के साथ छेड़छाड़, अश्लील फब्तियां कसने तथा अभद्र व्यवहार करने वाले असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्यवाही करना था।

सादा वर्दी में रणनीतिक तैनाती, चुपचाप निगरानीः-अभियान का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बून्दी श्री संजय सिंह चम्पावत एवं श्री जसवीर मीणा (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, महिला अपराध अनुसंधान सेल) द्वारा किया गया। पूरे ऑपरेशन के लिए पुलिस द्वारा विशेष रणनीति तैयार की गई, जिसके तहत–महिला पुलिस अधिकारियों कालिका पेट्रोलिंग यूनिट, नैनवां, दबलाना, हिण्डोली, इन्द्रगढ़ व गेण्डोली थानों की महिला पुलिस टीमों को अलग-अलग समूहों में विभाजित कर जिले के विभिन्न थाना क्षैत्रों में सक्रिय निगरानी के लिए सिविल ड्रेस (सादा वर्दी) में तैनात किया गया। टीमों ने आम नागरिकों के बीच रहकर पूरी गोपनीयता के साथ संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी, जिससे असामाजिक तत्वों को पुलिस की उपस्थिति का कोई आभास नहीं हो सका।

धरपकड़ से मचा हड़कंप, 22 असामाजित तत्व हिरासत में:- जैसे ही सादा वर्दी में तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने सार्वजनिक स्थलों पर मनचलों की हरकतें देखीं, उन्हें तुरंत मौके पर ही दबोच लिया गया। कोतवाली थाना क्षैत्र में - 7, सदर में -5, नैनवां में-6, व दबलाना, हिण्डोली, इन्द्रगढ़ ,गेण्डोली में 1-1 कार्यवाही कुल- 22 असामाजिक तत्वों को शांति भंग की आशंका में गिरफ्तार किया गया। इस सख्त कार्रवाई से असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया।

सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार का अभद्र व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। इस प्रकार के डिकॉय ऑपरेशन आगे भी समय-समय पर अचानक चलाए जाएंगे, ताकि महिलाओं एवं बालिकाओं को भयमुक्त, सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

'वंदे गंगा' जल संरक्षण अभियान का शंखनादः 25 मई से शुरू होगा

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार जिले में 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान-2026 को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। गुरुवार को आयोजित एक उच्च स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री ब्रह्म लाल जाट ने अभियान की रूपरेखा साझा की। यह अभियान 25 मई से 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) तक संचालित किया जाएगा।

जन-भागीदारी पर विशेष जोर

एडीएम ब्रह्म लाल जाट ने बताया कि इस अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम न रखकर एक 'जन-आंदोलन' बनाया जाएगा। इसके लिए जिले के डॉक्टरों, वकीलों, सीए, आर्किटेक्ट्स, धर्मगुरुओं, व्यापारियों और स्वयंसेवी संस्थाओं की सूची तैयार की जा रही है। इन सभी प्रबुद्ध जनों को विचार गोष्ठियों के माध्यम से अभियान से जोड़कर जल संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाया जाएगा।

प्रातःकाल होगा सामूहिक श्रमदान

अभियान के दौरान जिले की पारंपरिक जल संरचनाओं (तालाब, बावड़ी, टांके) के पुनरुद्धार के लिए सामूहिक श्रमदान किया जाएगा। इसके लिए प्रातः 6:30 से 9:30 बजे का समय निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री के संदेश को ग्राम स्तर पर सरपंचों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और राजीविका समूहों के माध्यम से प्रचारित किया जाएगा।

26 मई को विशेष ग्राम सभाएं

अभियान के दूसरे दिन यानी 26 मई को जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष ग्राम सभा आयोजित होगी। इसमें न केवल जल संरक्षण का संकल्प दिलाया जाएगा, बल्कि जल संचयन के नवीन कार्यों को स्वीकृति भी दी जाएगी।

अभियान के मुख्य आकर्षणः

कैच द रैनः वर्षा जल संचयन और जल निकायों की जियो टैगिंग पर फोकस। रन फॉर एनवायरमेंटः 4 जून को पर्यावरण जागरूकता के लिए दौड़ का आयोजन। व्यापक वृक्षारोपणः 'जल-जंगल-जन' के सिद्धांत पर भारी मात्रा में पौधारोपण। डिजिटल ट्रैकिंगः अभियान में सहयोग करने वाली संस्थाओं और कार्यों का विवरण पोर्टल पर दर्ज होगा। बैठक में एसडीएम दिव्यांश सिंह, एसीईओ गोपाल लाल, अधीक्षण अभियंता एस एल जांगिड़ सहित जिला स्तर के आला अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने अभियान को सफल बनाने हेतु अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

केडीए द्वारा जबरन उजाड़ने की कार्यवाही को बंद करने की मांग

स्मार्ट हलचल|बूंदी

वर्षों से निवास करने वाले ग्रामीणो को केडीए द्वारा उजाडने की कार्यवाही स्थाई रूप से बंद करने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में लिखा है कि जिले की तालेडा एवं के0 पाटन तहसील में पीढीयो से निवास करने वाले ग्रामीणों को कोटा विकार प्राधिकरण केडीए जबरन सरकारी फोर्स साथ लाकर ऊजाडने की कार्यवाही कर रहा है। इससे बूंदी जिले व क्षेत्रवातीयों में जबरदस्त रोष पनप रहा है। एक और सरकार 20 साल से काबिज लोगो को अभियान चलाकर पट्टे देती आई है। वही डाबी बरड़ क्षेत्र के 68 गाँवो को केडीए द्वारा बून्दी जिले की जनभावना और बून्दी जिले के कमजोर नैतत्व के चलते केडीए में जबरन सत्ता के बल पर शामिल कर लिया। ग्रामीणों का कहना है कि इन 68 गांवो में आबादी की भूमि कम है अतःआबादी की भूमि का विस्तार किया जाये। आज ज्ञापन के माध्यम से हम सब केडीए शासन, प्रशासन एवं सरकार को स्पष्ट आगाह कर रहे है और चेतावनी दे रहे है कि यदि अब भविष्य में केडीए द्वारा इन गांवों में निवास करने वाले ग्रामीणो को जबरन बेघर करने ने की कोशिश की गई तो ग्रामीणों एवं केडीए के बीच आन्दोलन सड़क पर खुलकर संघर्ष होगा।

इस दौरान पूर्व सांसद रामनारायण मीणा, भाजपा नेता रुपेश शर्मा, देवताल गुर्जर, मुकेश माधवानी, पेंशु सिंह, संदीप देवगन, देवराज गोचर, शंभूसिंह, सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

समता आन्दोलन समिति का स्थापना दिवस 17 मई को

यूजीसी रोलबैक सहित एससी-एसटी एक्ट में संशोधन समेत कई मांगों पर मंथन

स्मार्ट हलचल|कोटा

सामाजिक समानता एवं आरक्षण व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सक्रिय समता आंदोलन समिति, कोटा महानगर द्वारा 17 मई को स्थापना दिवस महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम रावतभाटा रोड स्थित गोदावरी धाम की हनुमत वाटिका में रविवार शाम 6:30 बजे आयोजित होगा।।किशोरपुरा स्थित पारीक भवन में आयोजित की गई। संभागीय अध्यक्ष अनिल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में स्थापना दिवस की तैयारियों की समीक्षा की गई।

संभागीय अध्यक्ष अनिल शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष पाराशर नारायण शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता बाबा शैलेन्द्र भार्गव करेंगे। आयोजन के दौरान सामाजिक समरसता, समान अवसर एवं आरक्षण नीति से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

संभागीय संयोजक राजेन्द्र गौत्तम ने बताया कि समिति ने कार्यक्रम के माध्यम से सात सूत्रीय मांग-पत्र को प्रमुखता से उठाने की घोषणा की है। इसमें यूजीसी एक्ट वापस लेने, एससी-एसटी एक्ट में संशोधन, पदोन्नति में आरक्षण समाप्त करने, ईडब्ल्यूएस आरक्षण का दायरा सभी वर्गों तक बढ़ाने तथा जनप्रतिनिधियों के लिए आरक्षण व्यवस्था में बदलाव जैसे मुद्दे शामिल हैं।

जिलाध्यक्ष गोपाल गर्ग ने कहा कि कार्यक्रम में सामाजिक न्याय, समान अधिकार एवं वर्तमान आरक्षण व्यवस्था के प्रभावों पर चर्चा करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों की राय सामने लाई जाएगी। मंगलवार को समिति ने रूपरेखा तय करने के लिए बैठक का आयोजन किया जिसमें महामंत्री रासबिहारी पारीक, महामंत्री कमल सिंह,अध्यक्ष ओबीसी हरिशंकर सैनी,यतीश विजय, शंकर लाल सिंघल,इन्द्र शर्मा, निमिष सक्सेना सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

कान्स में चमका शृष्टि घुनावत के ज्वेलरी ब्रांड का जलवा

पूर्व आईएएस जेपी मीणा की पुत्री शृष्टि घुनावत के डिजाइन किए 'टेंजरिन हाथफूल' को आलिया भट्ट ने कान्स में पहना

स्मार्ट हलचल

मुंबई/कान्स। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने कांस फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर अपने खास अंदाज से सबका ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान उन्होंने 'टेंजरिन हाथफूल' पहनकर भारतीय ज्वेलरी कला को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई।

खास बात यह है कि यह खूबसूरत ज्वेलरी पीस पूर्व आईएएस अधिकारी जेपी मीणा की पुत्री सृष्टि गुणावत के ज्वेलरी ब्रांड का डिजाइन है। कान्स जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी डिजाइन की मौजूदगी परिवार और देश दोनों के लिए गौरव का विषय बनी है।

आलिया भट्ट के इस लुक की सोशल मीडिया और फैशन जगत में जमकर चर्चा हो रही है। फैशन विशेषज्ञों ने इसे भारतीय पारंपरिक कला और आधुनिक डिजाइनिंग का बेहतरीन संगम बताया है।

शृष्टि घुनावत की इस उपलब्धि को युवा डिजाइनर्स के लिए प्रेरणा माना जा रहा है। यह सफलता दर्शाती है कि भारतीय प्रतिभा और क्राफ्ट्समैनशिप आज वैश्विक मंच पर अपनी अलग पहचान बना रही है।

सोशल मीडिया पर लोगों ने दी बधाई, कहा– 'मीणा समाज और देश के लिए गर्व का क्षण।'

कानपुर की चकरपुर सब्जी मंडी में भीषण आग से भारी नुकसान

स्मार्ट हलचल

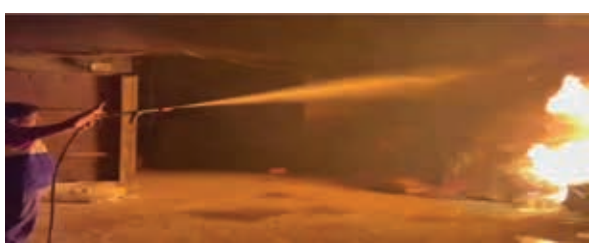

कानपुर। आज गुरुवार दोपहर यहां के सचेंडी स्थित चकरपुर सब्जी मंडी में अचानक भीषण आग लग गई। आग की शुरुआत चबूतरा नंबर-6 स्थित एक आढ़त से हुई और देखते ही देखते उसने पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया।

इस बीच आग इतनी तेजी से फैली कि करीब 40 से अधिक दुकानें धू-धू कर जलने लगीं। मौके पर मौजूद आढ़तियों ने पहले खुद आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें बढ़ती देख दुकानों को छोड़कर जान बचाकर भागना पड़ा।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पहले दो दमकल गाड़ियों को भेजा गया, लेकिन आग की गंभीरता को देखते हुए बाद में आठ फायर टेंडर मौके पर लगाए गए। समाचार लिखे जाने तक दमकल कर्मी लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं।

शनि जयन्ती महोत्सव पर आज से दो दिवसीय आयोजन आज से

चित्तौड़गढ़। दो दिवसीय शनि जयंती महोत्सव शुक्रवार शाम से उदयपुर रोड सेंती स्थित श्री शनिदेव महाराज मन्दिर पर हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर 15 व 16 मई को विविध आयोजन किये जाएंगे।

श्री शनिदेव महाराज मन्दिर सेंती के व्यवस्थापक लोकेश शर्मा ने बताया कि श्री शनिदेव महाराज की जयंती 16 मई शनिवार को है, जिसके तहत 15 मई शुक्रवार रात्रि को श्री शनिदेव भगवान की प्रतिमा का अभिषेक व विशेष श्रृंगार तथा शाम को 7:30 बजे से श्री बालाजी मेवाड़ मित्र मंडल द्वारा संगीतमय में सुंदरकांड पाठ का किया जाएगा। शनिवार सवेरे 8.15 बजे से हवन यज्ञ, अनुष्ठान प्रारम्भ होगें। इसके पश्चात प्रातः 11 बजे विशेष आरती की जाएगी। श्री शनिदेव जयन्ति के अवसर पर शनिवार को सवेरे 10 से रात्रि 8 बजे तक प्रसाद वितरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्री शनि जयंती सभी राशि के जातको के लिए विशेष फलदायी है। इस अवसर पर सभी जाति के जातकों को शनिभगवान के दर्शन करने चाहिए और अपनी श्रद्वा के अनुरूप दान करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि मन्दिर के महन्त स्व. ओमदत्त शर्मा की प्रेरणा से पिछले कई वर्षो से यह आयोजन किया जा रहा है। महन्त शर्मा ने अपने जीवनकाल मे श्री शनि मन्दिर में विकास के कई कार्य किए।

जनगणना 2027 के प्रति छात्र एवं छात्राओं को किया जागरूक

'सही जनगणना से ही मजबूत होगी विकास योजनाओं की नींव '

स्मार्ट हलचल| कोटा

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय कोटा द्वारा आज गुरुवार को मां भारती शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान, विवेकानंद नगर, कोटा में 'जनगणना 2027 : जागरूक नागरिक, सशक्त भारत' विषय पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बीएड एवं एसटीसी के छात्र एवं छात्राओं को जनगणना के महत्व, उसकी प्रक्रिया तथा नागरिक सहभागिता की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान की प्राचार्य श्रीमती कंचन गोयल ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि देश के समावेशी विकास का मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि सटीक जनगणना से ही सरकार को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं को सही दिशा देने में सहायता मिलती है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित छात्र एवं छात्राओं से अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करने तथा जनगणना कर्मियों को पूर्ण सहयोग देने का आह्वान किया।

प्रारंभ में केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय कोटा के तकनीकी सहायक प्रेम सिंह यादव ने कहा कि वर्तमान समय में सटीक एवं विश्वसनीय जनगणना देश की विकास नीतियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जनगणना के आंकड़े ही सरकार को विभिन्न वर्गों की वास्तविक आवश्यकताओं को समझने और योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद करते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से जनगणना कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान छात्र एवं छात्राओं के के बीच मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दिनेश शर्मा, नीतीश कुमार गौतम, शुभम चंदेल एवं रांची मेहता को विभाग की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

मंडावर क्षेत्र को मिली ऐतिहासिक बिजली सौगात

बनावड़ 33/11 केवी जीएसएस पर लगेगा 5 एमवीए का हाईकैपेसिटी ट्रांसफार्मर, खत्म होगी लो-वोल्टेज और ओवरलोडिंग की बड़ी समस्या

स्मार्ट हलचल

मंडावर/दौसा। वर्षों से बिजली संकट और लो-वोल्टेज की समस्या झेल रहे मंडावर क्षेत्र के लोगों के लिए आखिरकार बड़ी राहत की खबर सामने आई है। जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने मंडावर क्षेत्र के महत्वपूर्ण 33/11 केवी बनावड़ ग्रिड सब स्टेशन की क्षमता बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। निगम मुख्यालय जयपुर से जारी आदेश के अनुसार अब बनावड़ जीएसएस पर वर्तमान में लगे 3.15 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर को अपग्रेड कर 5.0 एमवीए क्षमता का नया हाईकैपेसिटी ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए विभाग द्वारा करीब 62 लाख 18 हजार 190 रुपये की प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति जारी की गई है। आदेश 13 मई 2026 को जयपुर जोन के मुख्य अभियंता कार्यालय से जारी हुआ, जिसके बाद क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया।

लंबे समय से परेशान थे हजारों उपभोक्ता

मंडावर कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में पिछले कई वर्षों से बिजली व्यवस्था चरमराई हुई थी। गर्मी के मौसम में बिजली का लोड बढ़ते ही ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो जाता था, जिसके चलते बार-बार ट्रिपिंग, फाल्ट और लो-वोल्टेज की समस्या बनी रहती थी।

स्थिति यह थी कि कई गांवों में दिनभर बिजली होने के बावजूद पंखे तक सही गति से नहीं चल पाते थे। किसानों की सिंचाई मोटरें पर्याप्त वोल्टेज नहीं मिलने के कारण बार-बार बंद हो जाती थीं। घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली उपकरण खराब होने की शिकायतें भी लगातार सामने आ रही थीं।स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों द्वारा कई बार बिजली

व्यवस्था सुधारने की मांग उठाई गई थी। अब निगम द्वारा ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि की स्वीकृति मिलने से लोगों को बड़ी उम्मीद जगी है कि आने वाले समय में क्षेत्र की बिजली व्यवस्था पूरी तरह बदल जाएगी।किसानों को मिलेगा सबसे बड़ा फायदा क्षेत्र की बड़ी आबादी खेती पर निर्भर है और किसानों को सबसे ज्यादा परेशानी सिंचाई के दौरान होती थी। लो-वोल्टेज के कारण ट्यूबवेल और मोटरें पर्याप्त क्षमता से नहीं चल पा रही थीं, जिससे फसल उत्पादन प्रभावित हो रहा था।

अब 5 एमवीए का नया ट्रांसफार्मर लगने के बाद किसानों को पर्याप्त वोल्टेज और बेहतर बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। सिंचाई कार्य सुचारू होने से कृषि उत्पादन पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा।व्यापार और घरेलू उपभोक्ताओं को भी राहत

मंडावर कस्बे में लगातार बढ़ती आबादी और बिजली की मांग के कारण मौजूदा ट्रांसफार्मर पर अत्यधिक दबाव था। गर्मी के मौसम में एसी, कूलर और अन्य उपकरण चलने से लोड बढ़ जाता था और बिजली व्यवस्था लड़खड़ा जाती थी।

नए हाईकैपेसिटी ट्रांसफार्मर के लगने से दुकानदारों, छोटे उद्योगों और घरेलू उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलने की उम्मीद है। इससे व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी और आमजन को बार-बार बिजली कटौती से राहत मिलेगी।वर्ष 2026-27 बजट योजना में होगा कार्य विभागीय आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह कार्य वर्ष 2026-27 की बजट योजना के अंतर्गत किया जाएगा। साथ ही फीडरों के पुनर्गठन और तकनीकी सुधार के निर्देश भी जारी किए गए हैं ताकि भविष्य में ओवरलोडिंग जैसी स्थिति उत्पन्न न हो।

बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि के बाद मंडावर क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था अधिक मजबूत और स्थायी बनेगी। इससे हजारों उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और भविष्य में बढ़ती बिजली मांग को भी आसानी से पूरा किया जा सकेगा।

क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर

बनावड़ जीएसएस की क्षमता वृद्धि की स्वीकृति मिलने के बाद मंडावर और आसपास के गांवों में खुशी का माहौल है। लोगों का कहना है कि लंबे समय बाद क्षेत्र की सबसे बड़ी बिजली समस्या के समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाया गया है।

ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि कार्य जल्द शुरू होकर समय पर पूरा हो, ताकि आने वाली गर्मियों में उन्हें बेहतर बिजली सुविधा मिल सके।

CATC-I कैंप में श्री प्राज्ञ महाविद्यालय के कैडेट्स का शानदार प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर। राष्ट्रीय कैडेट कोर की 11 राज बटालियन एनसीसी यूनिट अजमेर के तत्वावधान में 4 मई से 13 मई 2026 तक राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल अजमेर में आयोजित CATC-I कैंप में श्री प्राज्ञ महाविद्यालय बिजयनगर के 22 कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कैंप का संचालन कैंप कमांडेंट कर्नल अजय दाधीच के निर्देशन में हुआ।

कैंप के दौरान कैडेट्स ने फायरिंग, ड्रिल, हथियारों की जानकारी एवं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाई। इन गतिविधियों के माध्यम से कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, देशप्रेम, परोपकार एवं व्यक्तित्व निर्माण जैसी महत्वपूर्ण शिक्षाएं प्राप्त कीं।

कैंप में आयोजित सांस्कृतिक एवं खेल प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के कैडेट्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 11 पदक अर्जित किए, जिनमें 6 गोल्ड एवं 5 सिल्वर मेडल शामिल रहे।

गोल्ड मेडल प्राप्त करने वालों में काव्य पाठ प्रतियोगिता में रवि रावत, डिबेट में देवी सिंह, रिले रेस में दीपक, रवि, भरत एवं धनराज तथा बेस्ट टेक्निकल कार्य में रवि, दीपक एवं देवेंद्र शामिल रहे।

वहीं सिल्वर मेडल विजेताओं में 200 मीटर दौड़ में दीपक गुर्जर एवं लक्ष्मी बैरवा, रिले रेस में भूमिका, लक्ष्मी, रौनक एवं कृष्णा, टग ऑफ वार में शिवानी, भूमिका, लक्ष्मी एवं कृष्णा तथा डिबेट प्रतियोगिता में शंकर लाल वैष्णव शामिल रहे।

फायरिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर कैडेट देवेंद्र गुर्जर एवं शंकर लाल वैष्णव का चयन आगामी भीलवाड़ा में आयोजित फायरिंग कैंप हेतु किया गया।

करीब 600 कैडेट्स के बीच श्री प्राज्ञ महाविद्यालय के कैडेट्स ने अनुशासन, प्रतिभा एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन से अपनी विशेष पहचान स्थापित करते हुए महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। महाविद्यालय परिवार ने सभी कैडेट्स को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रमेश ईनाणी केस में शीघ्र न्याय हो, चित्तौड़गढ़ जिला शिव सेना इकाई ने की मांग

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

शिवसेना चित्तौड़गढ़ जिला इकाई ने कूरियर व्यवसायी रमेश चंद्र ईनाणी हत्याकांड के मुख्य आरोपी रमताराम की गिरफ्तारी के बाद मामले का फास्ट ट्रैक कोर्ट में शीघ्र निस्तारण कर कठोर सजा दिलाने की मांग उठाई है।

शिवसेना जिला प्रभारी गोपाल वेद ने कहा कि रामद्वारा के पास वर्षों से चल रहे जमीन विवाद के चलते एक व्यवसायी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या करवाना बेहद निंदनीय घटना है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में आरोपी रमताराम संत समाज पर एक दाग साबित हुआ है।

गोपाल वेद के अनुसार पुलिस पूछताछ में मामले से जुड़े कई नए खुलासे सामने आ रहे हैं तथा आरोपी की संलिप्तता की पुष्टि होने से मृतक परिवार सहित शहरवासियों में भारी रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह हत्या एक सुनियोजित साजिश के तहत करवाना सामने आया है।

शिवसेना ने दावा किया कि आरोपी के पास बड़ी मात्रा में चल एवं अचल संपत्तियां हैं, जिन्हें तत्काल जब्त किया जाना चाहिए। संगठन ने मांग की कि मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कर जल्द से जल्द कठोर सजा सुनाई जाए ताकि पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय मिल सके।

ई-फार्मेसी के विरोध में 20 मई को देशभर में गूंजेगी 'दवा बंदी' की गूँज, ब्यावर केमिस्ट एलायंस ने कलेक्ट्रेट पर बुलंद की आवाज

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। ऑनलाइन दवाओं की अनियंत्रित बिक्री और कॉर्पोरेट घरानों के बढ़ते दखल के खिलाफ अब दवा विक्रेताओं ने आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के आह्वान पर आगामी 20 मई 2026 को देशव्यापी दवा व्यापार बंद रहेगा। इसी कड़ी में ब्यावर डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट एलायंस ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया है।

प्रमुख मांगें और विरोध के कारण

एलायंस के पदाधिकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से सरकार को चेताया है कि ई-फार्मेसी कंपनियों

की मनमानी नीतियों के कारण छोटे और मध्यम वर्गीय दवा विक्रेताओं का अस्तित्व खतरे में है। उनकी मुख्य मांगें निम्नलिखित हैं: अवैध ई-फार्मेसी पर रोकः ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बिना सख्त निगरानी के बेची जा रही दवाओं पर तत्काल प्रतिबंध। अधिसूचनाएं वापस लें: सरकार द्वारा जारी अधिसूचना को रद्द करने की मांग। अनुचित छूट पर लगामः कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा दी जा रही भारी छूट को बाजार के लिए घातक बताया गया है। सुरक्षा से समझौता नहीं: बिना फार्मासिस्ट के दवा वितरण और नकली दवाओं की बढ़ती सप्लाई पर सख्त कार्रवाई की मांग।

5 करोड़ लोगों की रोजी-रोटी पर संकट

एलायंस अध्यक्ष रजनीश बकलीवाल और सचिव कपिल खेड़ावाला ने संयुक्त बयान में कहा कि देश के लगभग 12.40 लाख केमिस्ट इस समय भारी मानसिक और आर्थिक दबाव में हैं। उन्होंने कहा, 'यह केवल व्यापार की बात नहीं है, बल्कि इससे जुड़े 5 करोड़ लोगों के परिवार की आजीविका का सवाल है। ऑनलाइन कंपनियां नियमों को ताक पर रखकर व्यापार कर रही हैं, जिसे सहन नहीं किया जाएगा।

निशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर आज

बिनोता। कस्बे की खाकल देव धर्मशाला में गोमा बाई नेत्रालय, जिला अंधत्वनिवारण समिति नीमच के आर्थिक सहयोग एवं जिला अंधत्व निवारण समिति चित्तौड़गढ़ की प्रशासनिक अनुमति से निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतिया बिन्द ऑपरेशन शिविर शुक्रवार 15 मई 2026 को आयोजित किया जाएगा।

खाकल देव विकास सेवा समिति के अध्यक्ष गजराज सिंह शक्तावत ने बताया शुक्रवार को समिति द्वारा आयोजित एक दिवसीय निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर गोमा बाई नेत्रालय के विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों की टीम द्वारा नेत्र रोगियों की काला पानी, मोतियाबिंद, नासूर नेत्र संबंधित बीमारी की निशुल्क जांच कर उपचार किया जाएगा। ऑपरेशन योग्य मरीजों का चयन कर उचित सलाह दी जाएंगी। चयनित मरीजों का ऑपरेशन गोमा बाई नेत्रालय नीमच में ऑपरेशन लेंस प्रत्यारोपण निशुल्क किया जाएगा।

ब्यावर की अविशी बल्दुआ ने रचा इतिहास: 95% अंकों के साथ बनीं कॉमर्स सिटी टॉपर

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणामों में ब्यावर की बेटियों ने सफलता का परचम लहराया है। स्थानीय मंगल न्यूटन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा अविशी बल्दुआ ने कॉमर्स संकाय में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर 'सिटी टॉपर' बनने का गौरव हासिल किया है।

अकाउंटेंसी और बिजनेस स्टडीज में दिखाया दम

अविशी की प्रतिभा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अकाउंटेंसी और बिजनेस स्टडीज जैसे महत्वपूर्ण विषयों में 100 में से 99-99 अंक प्राप्त किए हैं। उनकी इस उपलब्धि से न केवल विद्यालय प्रशासन, बल्कि पूरे शहर में हर्ष की लहर है।

बेटियों ने पेश की सफलता की मिसाल

स्कूल का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा है, जिसमें अन्य छात्राओं ने भी शानदार प्रदर्शन किया: रिद्धिमा बंसल: 91.6%, हिमांशी कौशिक: 90.4%, वृंदा असनानी: 90.2%, लक्षिता सांवलानी: 89% (विज्ञान संकाय)।

विद्यालय की प्राचार्या रेशल लिटिल एवं निदेशक यश मंगल ने सभी मेधावी छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का कठिन परिश्रम, नियमित अनुशासन और शिक्षकों का सटीक मार्गदर्शन ही इस शानदार सफलता का आधार बना है। विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की हैं।

कब्रिस्तान की दीवार गिराने और बोर्ड लगाने पर आक्रोश, मुस्लिम समाज ने सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। नगर परिषद ब्यावर द्वारा मेवाड़ी गेट बाहर स्थित कब्रिस्तान की चारदीवारी को ध्वस्त करने और वहां अपना बोर्ड लगाने के विरोध में मुस्लिम समाज ने कड़ा रुख अपनाया है। कमेटी इस्लामिया इन्तेजामिया औकाफ व जामा मस्जिद नयानगर के एक शिष्टमंडल ने कानूनी सलाहकार एडवोकेट शाहिद खान के नेतृत्व में जिला प्रशासन से मुलाकात की और नगर परिषद की इस कार्रवाई को अवैध बताते हुए अपना पक्ष रखा।

वक्फ संपत्ति पर दावे का विरोध

प्रशासन को सौंपे गए ज्ञापन में एडवोकेट शाहिद खान ने बताया कि मेवाड़ी गेट बाहर, अमरी का बाड़िया स्थित खसरा नंबर 1720 राजस्व

रिकॉर्ड में कब्रिस्तान के रूप में दर्ज है। यह संपत्ति राजस्थान सरकार वक्फ गजट 1965 (क्रमांक 37) में पंजीकृत है और भारत सरकार के वक्फ पोर्टल पर भी दर्ज है। इसके बावजूद, नगर परिषद ने बिना किसी पूर्व नोटिस के कार्रवाई करते हुए वहां अपना बोर्ड लगा दिया और वक्फ संपत्ति पर स्वयं की मिल्कियत का दावा किया है।

धार्मिक भावनाएं आहत, सुरक्षा पर सवाल

शिष्टमंडल ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि नगर परिषद ने कब्रिस्तान की मुख्य दीवार को जमींदोज कर दिया है। इसके कारण: पुरानी बुजुर्गों की कब्रें खुले में आ गई हैं। चारदीवारी न होने से आवारा पशु कब्रिस्तान में दाखिल हो रहे हैं। इस अमानवीय कार्रवाई से मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाएं बुरी तरह आहत हुई हैं।

शिष्टमंडल की प्रमुख मांगें

मुस्लिम समाज ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर से मांग की है कि मामले में तुरंत संज्ञान लेते हुए: नगर परिषद द्वारा लगाए गए बोर्ड को वहां से तत्काल हटाया जाए। क्षतिग्रस्त की गई चारदीवारी का पुनः निर्माण करवाया जाए। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने शिष्टमंडल की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और इस मामले में उचित व सकारात्मक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

शिष्टमंडल में शामिल सदस्य

इस अवसर पर एडवोकेट शाहिद खान के साथ कमेटी के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से: मोहम्मद हुसैन (उपाध्यक्ष), मोमीन रहमान (सहसचिव), मोहम्मद अली, मोहम्मद यासीन।

नीट धांधली के खिलाफ ब्यावर में फूटा कांग्रेस का आक्रोश, फूँका शिक्षा मंत्री का पुतला

22 लाख छात्रों के भविष्य पर वार, कांग्रेस ने राजमार्ग पर मानव श्रृंखला बना केंद्र को घेरा

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। नीट-2026 परीक्षा में पेपर लीक और धांधली के विरोध में गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी, ब्यावर ने राजमार्ग पर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन कर उनके इस्तीफे की मांग की।

संवेदनशीलता: कलेक्टर के पिता के निधन पर बदला स्थान

जिलाध्यक्ष किशोर चौधरी ने बताया कि प्रदर्शन पहले जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रस्तावित था, लेकिन कलेक्टर महोदय के पिता के आकस्मिक निधन के कारण कांग्रेस परिवार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए स्थान बदलकर मुख्य राजमार्ग पर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में जिलाध्यक्ष किशोर चौधरी की मौजूदगी में सभी कांग्रेसजनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी।

हुंकार: 'छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं '

राजमार्ग पर मानव श्रृंखला बनाकर विरोध जताते हुए जिलाध्यक्ष किशोर चौधरी, वरिष्ठ नेता पारस पंच, खनन प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष आशीषपाल पदावत और ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट अजय शर्मा ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। वक्ताओं ने कहा कि 22 लाख से अधिक छात्रों का भविष्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है और जब तक एनटीए भंग नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा।

प्रदर्शन में इन नेताओं की रही मौजूदगी

विरोध प्रदर्शन में जिले के प्रमुख नेताओं ने शिरकत की, जिनमें शामिल रहे: संगठन पदाधिकारी: अल्पसंख्यक विभाग जिलाध्यक्ष अजमत काठात, सेवादल जिलाध्यक्ष विक्रम सोनी, नगर अध्यक्ष भरत बाघमार, ओबीसी जिलाध्यक्ष कैलाश गहलोत, खेलकूद प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष फिरोज काठात, व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सुभाष लोढ़ा, शिक्षक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नरसिंह गहलोत, और अनुसूचित जाति जिलाध्यक्ष बिरदीचन्द। ब्लॉक व स्थानीय नेतृत्व: जवाजा ब्लॉक अध्यक्ष धर्मसिंह भाटी, मसूदा ब्लॉक अध्यक्ष सलीम, जैतारण ब्लॉक अध्यक्ष नरेश मेहरा, बिजयनगर नगर अध्यक्ष अंकित तातेड, बर सरपंच महेंद्र सिंह चौहान और बिरोल सरपंच राजेश देवड़ा। प्रमुख कार्यकर्ता व अधिवक्ता: कल्पना भटनागर, एडवोकेट सुलक्षणा शर्मा, एडवोकेट रामस्वरूप सेवलिया, राजेंद्र ओस्तवाल, भुवनेश शर्मा, अभिषेक जैन, रवि डंडायत, सरदारा काठात, लक्ष्मीनारायण सोनी, मनीष सामरिया, हरीराम मेघवाल, शकील खिलजी, वृतंजय आर्य, चन्नू यादव, नवल चौहान, साहिल श्रीश्रीमाल, घनश्याम फुलवारी, पूर्व पार्षद मजीत कुरैशी, गोपाल सांखला, पप्पू पहलवान, अहसान चिंगारी, जगदीश जांगिड़, अफजल सिलावट और साबिर काठात। अंत में: ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट अजय शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी छात्रों को न्याय दिलाने के लिए सड़क से संसद तक की लड़ाई लड़ेगी।

लायंस क्लब बिजयनगर क्लासिक की साधारण सभा सम्पन्न

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर। लायंस क्लब बिजयनगर क्लासिक की साधारण सभा का आयोजन बुधवार को सत्र 2025-26 के अध्यक्ष लायन शेखर सांड की अध्यक्षता में हर्षोल्लास एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। सभा में क्लब के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएँ एवं बधाइयाँ दीं।

इस अवसर पर सर्वसम्मति से सत्र 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें लायन रोहित बुरड़ को अध्यक्ष, लायन अभिषेक बाबेल को सचिव, लायन गौतम भलावत को कोषाध्यक्ष, लायन त्रिलोक मूंदड़ा को प्रथम उपाध्यक्ष एवं लायन अर्पित मित्तल को द्वितीय उपाध्यक्ष चुना गया।

सभा में क्लब के लिए गर्व का विषय यह भी रहा कि क्लब सदस्य लायन संजय महावार को डिस्ट्रिक्ट 3233-श्र2 सत्र 2026-27 का रीजन चेयरपर्सन नियुक्त किया गया। इस उपलब्धि पर सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम में लायन सौरभ नागौरी, लायन हेमंत डूंगरवाल, लायन अरिहंत लोढ़ा, लायन दीपक माहेश्वरी, लायन नरेंद्र पिपाड़ा, लायन मुकेश टायल, लायन निहाल मूणोत, लायन राजेंद्र लोढ़ा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सभा में सभी सदस्यों ने विश्वास जताया कि नई टीम क्लब को सेवा, मित्रता एवं सामाजिक कार्यों में नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी।

कर्नाटक की यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग, आप भी जरूर करें एक्सप्लोर

दक्षिण भारत देश का खूबसूरत और प्रमुख हिस्सा माना जाता है। दक्षिण भारत में कर्नाटक एक ऐसा राज्य है, जिसको पर्यटन का मुख्य केंद्र माना जाता है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां पर हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक घूमने और मौज-मस्ती के लिए आते हैं। कर्नाटक में गोकर्ण, कूर्ग, बेंगलुरु, हम्पी और मैसूर जैसी फेमस जगहों पर घूमने के लिए सबसे ज्यादा संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

हालांकि इन जगहों की खूबसूरती पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है, लेकिन कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अंगुबे की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आपको जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अंगुबे

बता दें कि यह खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन कर्नाटक के शिमोगा जिले में पड़ता है। अंगुबे को एक बेहद खूबसूरत गांव के साथ ही यहां का शानदार और छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है।

अगुंबे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से करीब 345 किमी दूर स्थित है। वहीं यह उडुपी से करीब 60 किमी दूर, मंगलूरू से 100 किमी और कर्नाटक के चिकमंगलूर से करीब 112 किमी की दूरी पर मौजूद है।

अंगुबे की खासियत

अंगुबे में ऐसी अनगिनत खासियत है, जो पर्टयकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह समुद्र तल से करीब 2 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित अंगुबे को कर्नाटक का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। वहीं यह कर्नाटक का सबसे हसीन और खूबसूरत हिल स्टेशन्स में से एक माना जाता है।

अंगुबे न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। इसलिए इसको प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत भी माना जाता है। अंगुबे को कर्नाटक का चेरापूंजी भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर खूब बारिश होती है। इस हिल स्टेशन की खूबसूरती के आगे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी फीके लगते हैं।

जानिए क्यों है खास

सैलानियों के लिए अंगुबे बेहद ही खास और अद्भुत पर्यटन स्थल है। यह जगह उन लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, जो प्रकृति से प्रेम करते हैं। यह अपने शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है।

अंगुबे हिल स्टेशन न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि एडवेंचर के लिए भी जाना जाता है। कई पर्यटक यहां पर हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर स्थित सबसे ऊंची बिंदू से फोटोग्राफी करना हर किसी का सपना होता है।

अगुंबे सनसेट पॉइंट

जब भी अंगुबे में किसी शानदार जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले अंगुबे सनसेट पॉइंट की बात होती है। यह सबसे लोकप्रिय पॉइंट है, जहां से पूरे शहर का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। वहीं यहां से सनसेट और सनराइज का नजारा काफी मनमोहक होता है।

जोगीगुंडी फॉल्स

अंगुबे में स्थित यह जगह जोगीगुंडी फॉल्स बेहद शानदार और अद्भुत खजाने से कम नहीं है। हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटकों को यह खूबसूरत वॉटरफॉल आकर्षित करता है। इस वॉटरफॉल के आसपास काफी हरियाली है। बताया जाता है कि इसका पानी एक गुफा से निकलता है और मानसून का समय यहां पर घूमने के लिए सबसे बेस्ट है।

ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र है कपूरथला शहर

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है।

कपूरथला, पंजाब राज्य का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, जो अपनी भव्य वास्तुकला, शाही इतिहास और अद्भुत पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर न केवल पंजाब, बल्कि पूरे भारत में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। कपूरथला का सांस्कृतिक वैभव, ऐतिहासिक किले, महल और खूबसूरत बगीचे यहाँ आने वाले पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। आइए जानते हैं कपूरथला के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. कपूरथला महल

कपूरथला का सबसे प्रमुख आकर्षण है कपूरथला महल, जिसे फ्पंजाबी वर्सायफ् के नाम से भी जाना जाता है। यह महल फ्रांसीसी वास्तुकला से प्रेरित है और इसकी भव्यता और आकर्षण पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। महल के अंदर शानदार कमरे, खूबसूरत गैलरी और विस्तृत बगीचे हैं। महल की संरचना और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे कपूरथला का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती है। यहाँ का बगीचा और झील पर्यटकों को शांति और सौंदर्य का अनुभव कराते हैं।

2. शाही मस्जिद

कपूरथला में स्थित शाही मस्जिद एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। इस मस्जिद को कपूरथला के तत्कालीन शाही परिवार द्वारा बनवाया गया था। मस्जिद का शाही और भव्य रूप पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहाँ की आंतरिक सजावट और विस्तृत बगीचों में भ्रमण करते हुए लोग शांति का अनुभव करते हैं।

3. सुंदरबाग

सुंदरबाग, कपूरथला का एक और प्रमुख आकर्षण है। यह बगीचा कपूरथला महल के पास स्थित है और इसकी सुंदरता पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती है। यहाँ की हरियाली, फूलों की सुगंध और शांत वातावरण आपको एक अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं। सुंदरबाग में घूमने से पर्यटकों को पंजाब की प्राकृतिक सुंदरता का अहसास होता है।

4. कपूरथला ज्यूडिशियल किला

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है। किले के चारों ओर फैला हरित क्षेत्र और इसके प्राचीन कक्ष पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं।

5. गुलाबबाग

कपूरथला का गुलाबबाग एक शानदार बगीचा है, जो विशेष रूप से अपनी गुलाब की झाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ विभिन्न प्रकार के गुलाबों का संग्रह देखने को मिलता है, जो बाग को एक अद्वितीय सुंदरता प्रदान करते हैं। गुलाबबाग की सैर करते हुए पर्यटक गुलाबों की खूबसूरती और बाग के शांत वातावरण का आनंद लेते हैं। यह स्थान फूलों के शौकिनों के लिए आदर्श है।

6. चरणबीर बाग

चरणबीर बाग कपूरथला का एक ऐतिहासिक बाग है, जो अपने अद्भुत सौंदर्य और शाही संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। इस बाग में कई आकर्षक फूल और पेड़-पौधे हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बाग में स्थित ऐतिहासिक स्मारक और शाही महल इस स्थान को और भी खास बनाते हैं। यहाँ घूमते हुए पर्यटक प्रकृति के साथ-साथ इतिहास की समृद्धि को भी महसूस कर सकते हैं।

7. फव्वारा

फव्वारा कपूरथला के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह एक खूबसूरत और आकर्षक फव्वारा है, जो शहर के बीच स्थित है। इसके आसपास का माहौल और पानी के बहाव का दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहाँ पर अक्सर लोग आराम करने के लिए आते हैं और शहर की हलचल से दूर शांति का अनुभव करते हैं।

8. शहीदी स्मारक

कपूरथला के शहीदी स्मारक में भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। यह स्मारक उन वीर शहीदों की याद में बनवाया गया था जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह स्थल इतिहास प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण और शिक्षाप्रद स्थल है।

कपूरथला एक ऐसा शहर है, जहाँ ऐतिहासिक धरोहर, शाही महल, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत मिश्रण है। कपूरथला महल, शाही मस्जिद, सुंदरबाग और गुलाबबाग जैसे स्थल इस शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि को दर्शाते हैं। यहाँ आने वाले पर्यटक न केवल पंजाब की लोक कला और संस्कृति से परिचित होते हैं, बल्कि वे यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर का भी आनंद लेते हैं। अगर आप इतिहास, वास्तुकला और प्रकृति प्रेमी हैं, तो कपूरथला की यात्रा आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हो सकती है।

ओडिशा की प्राचीन धरोहर हैं उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ

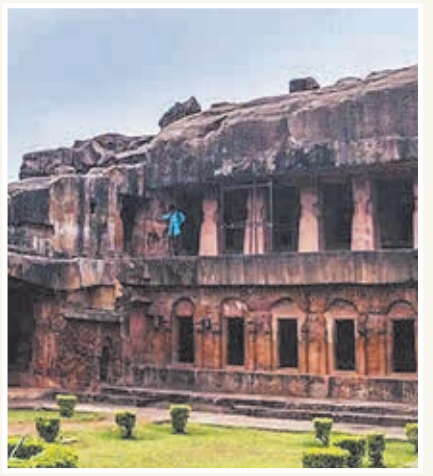

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं।

ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर शहर के निकट स्थित उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ प्राचीन भारतीय कला, संस्कृति और धार्मिकता का अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि शिल्पकला और वास्तुकला के दृष्टिकोण से भी अत्यधिक मूल्यवान हैं। उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ जैन धर्म से संबंधित हैं और ये गुफाएँ 2,000 साल पुरानी मानी जाती हैं। इन गुफाओं को देखकर हम प्राचीन भारत की धार्मिक आस्थाओं और उनकी जीवनशैली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का इतिहास

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ मुख्य रूप से जैन साधुओं द्वारा vst शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थीं। इन गुफाओं का निर्माण शासक कुमारगुप्त I के शासनकाल में हुआ था, जो गुप्त साम्राज्य के सम्राट थे। यह गुफाएँ उनके द्वारा प्रोत्साहित किए गए धार्मिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों के तहत बनाई गई थीं। उदयगिरी का नाम उदय यानी सूर्योदय से जुड़ा हुआ है, जबकि खंडगिरी का अर्थ है खंडित पर्वत , जो यहाँ की पर्वत श्रृंखलाओं की विशेषता को दर्शाता है।

उदयगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं। यहाँ की गुफाओं में जैन धर्म से संबंधित चित्रकला और मूर्तिकला का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है।

उदयगिरी की गुफाओं में प्रमुख गुफा हाथी गुफा है, जिसका नाम यहाँ की हाथी के आकार की मूर्ति के कारण पड़ा। इसके अलावा, गांधार गुफा भी प्रसिद्ध है, जहां एक बड़ी मूर्ति और शिलालेख पाए जाते हैं। ये गुफाएँ जैन साधुओं द्वारा ध्यान और तपस्या के लिए इस्तेमाल की जाती थीं। यहाँ की दीवारों और छतों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र आज भी उस समय के कला और शिल्प कौशल की गवाही देती हैं।

खंडगिरी गुफाएँ

खंडगिरी गुफाएँ उदयगिरी के पास स्थित हैं और यहाँ कुल 15 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं का आकार उदयगिरी की गुफाओं से थोड़ा अलग है, और इनका निर्माण भी जैन साधुओं द्वारा ध्यान और पूजा के उद्देश्य से किया गया था। खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनके अनुशासन की छवियाँ उकेरी गई हैं। खंडगिरी की एक प्रसिद्ध गुफा रानी गुफा है, जिसे शाही गुफा भी कहा जाता है। यह गुफा अपनी सुंदर वास्तुकला के लिए जानी जाती है। इसमें एक शाही परिवार की मूर्तियाँ और चित्रकला देखने को मिलती हैं। यहाँ की अन्य गुफाओं में साधारण साधुओं के चित्र और मूर्तियाँ हैं जो उनके जीवन की गाथाएँ बयान करती हैं।

शिल्पकला और मूर्तिकला

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र शिल्पकला और मूर्तिकला का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। यहाँ पर जैन धर्म से संबंधित कई दृश्य और भगवान महावीर की मूर्तियाँ, जो कि जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर हैं, देखने को मिलती हैं। गुफाओं में शिलालेख भी पाए जाते हैं, जो उस समय की धार्मिक और सांस्कृतिक जीवनशैली के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

इन गुफाओं की शिल्पकला में रचनात्मकता और सूक्ष्मता दिखाई देती है। उदाहरण के लिए, उदयगिरी की हाथी गुफा में उकेरी गई हाथी की मूर्ति और खंडगिरी की रानी गुफा में शाही सजावट इसकी विशेषता हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का धार्मिक महत्व

इन गुफाओं का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, खासकर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए। इन गुफाओं में ध्यान और साधना के लिए विशेष स्थान बनाए गए थे। यहाँ की मूर्तियाँ और चित्र जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनकी आस्थाओं को व्यक्त करते हैं। इन गुफाओं के माध्यम से हम जैन धर्म के इतिहास, विचारधारा और आस्था को समझ सकते हैं।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com